# माली सैनी सन्देश

सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता ....

वर्ष : 7 अंक : 82 30 अप्रेल, 2012 मूल्य : 150/- वार्षिक

## गहलोत का राज जैसे राम का सुराज

गहलोत का राज जैसे राम का सुराज
एक देखी थी बुढिया, जिसकी तार-तार फरियाँ।
हिल रही थी, नार, जाके शीश पै गठरियॉ।।
हम बोले कि माँ इस कदर क्यों मरती हो।
उमर का ख्याल नही वजन भारी धरती हो।।
यह सुनके वो पोपली माँ मुस्काई।
गहलोत है नेक कुछ खूबियाँ बताई।।
मैंने एक इंसान को देखा।
और उसके श्रमदान को देखा।।
राजस्थान की धरती और भारत माँ को देखा।
गहलोत का राज जैसे राम का सुराज।
योजना अनन्त जैसे खिल रहा बसंत
भूखे को रोटी और गरीब को मकान।
डिग्री को नौकरी और साक्षर को दुकान।।
विकास की भगीरथी जो बन गया नरेगा।
चयनित की बहार में भूर रही झोरी।
चीनी तेरह ने सेर, गेहूँ दो सौ में बोरी।।
लग रहे पेड और महक रहे जंगल।
झूमेंगे बादल लोग गायेंगे मंगल।।
जय हो मेरा भारत और जय-जय राजस्थान।
पर्यावरण शुद्ध हो जो देश की है जान।।
अशोक के सपनों के हम सभी भी सजायेंगे।
गायेंगे अलबेला माली सैनी, पेड़ कुछ लगाएंगे।

कवि : सैनी अमरसिंह 'अलबेला'

माननीय मुख्यमंत्री

## श्री अशोक गहलोत

के 62 वें जन्म दिवस की हार्दिक बधाई

# सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा जरूरीः नरेन्द्र मोदी

## गुजरात माली फेडरेशन का आयोजन

माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को महात्मा फूले का चित्र भेंट करते पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, श्री मोहनभाई रामी, श्री गंगाराम गहलोत, श्री कालूराम सांखला

**अहमदाबाद,** मुख्यमंत्री नरेन्द्र मादी ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा को प्राथमिकता सिरमौर सेवा है। वे श्री महात्मा ज्यातिबा फूले सेवा संस्थान एवं गुजरात माली फेडरेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में अहमदाबाद-गांधीनगर रोड पर कोबा सर्कल के निकट मनवार पार्टी प्लॉट परिसर में रविवार को रामनवमी के मौके पर वार्षिक उत्सव व शिक्षण जागृति सम्मेलन में मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि समाजों के उत्थान के लिए गरीब को शिक्षित करना सिरमौर सेवा है। महात्मा ज्योतिबा फूले ने शिक्षण से समाज उत्थान, दलितों -पिछड़ों-शोषितों को शिक्षित बनाने के लिए अंग्रेजों के जमाने में क्रांति की थी। इसी परम्परा में गुजरात के माली समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में जागृति पैदा करके जारी रखने का प्रयास किया है। मोंदी ने शिक्षित कन्या की ज्योत जलाने वाली सावित्री फूले का उल्लेख करते हुए माली समाज की कन्याओं को शिक्षित बनाकर सशक्तीकरण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नर्मदा योजना से राजस्थान को कैनाल का पानी पहुंचाकर राज्यो-राज्यों के बीच नदी के पानी के झगड़े के मुकाबले पानी को विकास की शक्ति बनाने का संकल्प गुजरात ने पूरा किया है।

मुख्यमंत्री को माली समाज की ओर से 1.51 लाख रुपए का चेक भेंट किया गया। इस मौके पर गुजरात माली फेडरेशन के अध्यक्ष गंगाराम हिमताजी गहलोत ने स्वागत भाषण के दौरान समाज सेवा कार्यों की जानकारी दी। अध्यक्षता गुजरात के बनासकांठा जिले के दियोदर के विधायक व गुजरात के भारतीय जनता पार्टी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अनिल माली ने की। इस मौके पर राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष भूपेंद्रसिंह चुडासमा, विधायक भरत बारोट भी मौजूद थे।

NO.RAJHIN12897/20/1/2004-TC

# माली सैनी सन्देश

वर्ष : 7 • अंक : 82 • 30, अप्रेल 2012 • मूल्य : 150/- वार्षिक


## सम्पादक मण्डल

**संरक्षक :**

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
( अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन )
( अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति )

**सह संरक्षक:**

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
( पूर्व पार्षद )

**प्रेस फोटोग्राफर**

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

**मार्केटिंग इंचार्ज**

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

**कम्प्यूटर**

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)


**इस अंक में**


आवरण कथा

देश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

**ज्योतिबा फूले जयंती**

94 जोड़े बने हमसफर

माली संस्थान अध्यक्ष की कथनी व करनी में फर्क

माली समाज के विवाह सम्मेलन में 52 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

सामूहिक विवाह आज की महत्ती आवश्यकता

श्री कृष्ण रूकमणी मन्दिर में मूर्ति स्थापना

अशोक गहलोत एक आदर्श राजनीतिज्ञ एवं प्रशासक

न्याय और मानव अधिकार महात्मा फूले का लक्ष्य था

उच्च स्तरीय सम्मेलन का आयोजन सुजानगढ़ ( चूरू )

माली ( सैनी ) युवा संगठन बैगलोर की नई कार्यकारिणी का गठन

अरूणा सैनी ( आरएएस ) बनी जेसीटीओ

श्री रामजी महाजन पुरस्कार श्री आढतिया को

म.प्र. रामजी महाजन, पिछड़ा वर्ग सेवा राज्य पुरस्कार 2011 वितरित

# सम्पादक की कलम से ...

# टूटते रिश्ते, बिखरते परिवार ...

आज ऐसे जीवन साथियों की तस्वीर उबर कर समाज के सामने आ रही है जो एक दूजे पर अरोप-प्रत्यारोप लगाकर परिवार व रिश्तों को तार-तार कर रहे हैं, ऐसा क्यों ? विवाह बंधन में बंधते समय पूरे शहर व समाज व रिश्तेदारों का ढ़ोल-नगाड़ों की थाप पर जन्म-जन्म तक साथ रहने की कसमें खाने वाले कुछ समय पश्चात ही एक दूसरे पर कीचड़ उछालने का दौर शुरु कर देते हैं और शुरु हो जाता है परिवार मे बिखराव और रिश्तों में दरार का दौर, यह सब क्यों ? विवाह संस्कार कोई ड्रामा या खेल नहीं इसके भी अपने मायने है। विवाह एक बंधन है, विवाह एक परम्परा है, विवाह एक संस्कृति एवं संस्कार है। साथ ही विवाह मनुष्य के जीवन-चक्र का वह अहम हिस्सा है जिसके सहारे पर आज हमारा समाज व हमारी संस्कृति जिन्दा है।

परन्तु वर्तमान हालात में वैवाहिक रिश्तों को एक कच्चे धागे की तरह तोड़ा जा रहा है। अब समाज को इसके बारे में बहुत ही गहन रूप से विचार करना होगा। छोटी-छोटी बातों को लड़के-लड़की द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर अपने परिजनों को जो गुमराह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसे रोकने की जरुरत है। किसी भी आरोप का गहराई से अध्ययन कर उसकी सच्चाई की तह तक जाना होगा और समाज में टूटते रिशतों पर सामाजिक व्यवस्थाओं के सहारे लगाम लगाने की कोशिश करनी होगी।

आज दहेज प्रताड़ना, नारी उत्पीड़न, शोषण जैसे घिनौने आरोप लगाना एक आम बात हो गई हैं । ऐसा क्यों ? ज्यादातर लड़के वालो को ही दोषी करार देने की एक प्रवृत्ति सी चल गई, ऐसा नहीं है। आज के इस भौतिक युग में हर व्यक्ति की आवश्यकता एवं जरुरतें बढ़ गई है। हर व्यक्ति एशो-आराम की जिन्दगी बसर करना चाहता है। यह भी रिश्तों में टूट व दरार का एक मुख्य कारण आज हमारे सामने है। आज से सैकड़ों वर्ष पूर्व भी समाज में समाज के अग्रणी पंचों द्वारा समाज सुधार हेतू बहुत से प्रयास किये जाते थे जिन्हें पूरा समाज एक जुटता सच्चाई व ईमानदारी से उसका पालन कर समाज मं रिश्तों को टूटने से बचाकर रखा जाता था। परन्तु आज समाज के दो परिवारों में पैदा हुए विवाह को कुछ लोंगों द्वारा अपने स्वार्थ की पूर्ति व वाहवाही लूटने के लिए मध्यस्थता के नाम पर तथा कानूनी दावपेंच से बचने का हवाला देकर रिश्तों व परिवारों को तोड़ा जा रहा हैं जो हमारे समाज के लिए बहुत ही अशोभनीय व समाज को शर्मसार करनेवाला कृत्य है।

**मैं समाज के सभी संगठनों, संस्थाओ व उन अग्रणी बन्धुओं से निवेदन करना चाहूंगा कि वो अपनी तरफ से पहल कर एक कदम आगे बढ़ावे व सामाजिक स्तर पर ऐसे प्रयासों की पहल करें, जिससे समाज में कैंसर का रूप धारण कर रही इस परम्परा को रोकने का भागीरथी प्रयास किया जावे। जिससे समाज में उन बन्धुओं को राहत मिल सके जो बेकसूर व बेगुनाह होते हुए भी आज रिश्तों का टूटनें की पीड़ा झेल रहे हैं यह समस्या किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष की नहीं अपितु पूरे समाज के लिए अभिशाप बन रही है जिसे रोकने का प्रयास समाज के सभी संगठनों, संस्थाओं व अग्रणी बन्धुओं को एक जुटता के साथ करना होगा।**

**मनीष गहलोत**
**प्रधान सम्पादक**

# महात्मा ज्योतिबा फूले का भव्य जयंती समारोह

जयपुर। महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान के तत्वावधान में महात्मा फूले की 186वीं जयंती समारोह 11 अप्रेल को संस्थान प्रांगण में मनाया गया। महात्मा ज्योतिबा फूले के छायाचित्र पर माननीय रामकिशोर सैनी राज्यमंत्री राजस्थान सरकार, सत्यनारायण सिंह डांग विकास समिति अध्यक्ष, शिवचरण माली अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, भगवान सहाय सैनी विधायक चौमू संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मांगीलाल पंवार द्वीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। संस्थान के अध्यक्ष मांगीलाल पंवार ने स्वागत भाषण दिया।

माननीय रामकिशोर सैनी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें महात्मा फूले के पद चिन्हों पर चलते हुए महिला शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए। श्री सत्यनारायण सिंह ने बताया कि महात्मा फूले वो शख्सियत थी जिन्होंने आजादी के पूर्व शिक्षा अलख जगाई और अंधविश्वास रूढिवादियों और आडम्बरों को मिटाकर महिला शिक्षा को बढावा दिया है।

संस्थान द्वारा हर वर्ष की भांति सामाजिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर प्रदेश स्तरीय महात्मा ज्योति बा फूले अवार्ड से श्री विकास एस भाले (आईएएस) को, महिला शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सावित्री बाई फूले अवार्ड से डॉ. श्रीमती प्रभा ओम को कला के क्षेत्र में, के. एल. सैनी अवार्ड से श्री गोपाल सैनी को ओर समाज सेवा के क्षेत्र में ताराचन्द सैनी अवार्ड से श्री तेजराम सैनी को नवाजा गया। संस्थान महामंत्री अनुभव चंदेल ने धन्यवाद दिया।

**महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती समारोह के पूर्व संध्या पर दीपोत्सव**

जयंती समारोह की पूर्व संध्या पर महात्मा फूले सर्किल पर माननीय श्री डॉ. जितेन्द्रसिंह, केबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करते ही सर्किल रोशनी से जगमगा उठा एवं सैकडो दीपक ध्वल रोशनी के साथ महात्मा ज्योतिबा फूले अमर रहे के गगनभेदी नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। श्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती की पूर्व संध्या पर सहकार मार्ग स्थित महात्मा फूले की आदम कद प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर उनके संदेश को गांव गांव, ढाणी ढाणी पहुंचाने का संकल्प लेने का संदेश दिया। संस्थान के कार्यकर्ताओं ने दीप जलाकर उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

संस्थान महामंत्री अनुभव चन्देल ने बताया कि महातमा फूले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवल एवं भव्य रोशनी कार्यक्रम में राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मांगीलाल पंवार, डांग विकास समिति सत्यनारायण सिंह, जिलाध्यक्ष मोहन राजोरिया, उपाध्यक्ष जुगलकिशोर सैनी, प्रदेश युवा अध्यक्ष भगवानसिंह कुशवाह, बिरदीचन्द सिंगोदिया, छुटनलाल सैनी, पार्षद ज्ञानचन्द सैनी, महामंत्री अनुभव चन्देल, पुनम कच्छावा, पूर्व पार्षद शीला सैनी, एडवोकेट बाबूलाल सैनी, मनोज अजमेरा, हरदीपसिंह, पवन सिंगोदिया, रमेशजी फरमेवाले, रामधन भाया, चन्द्रप्रकाश सैनी, शंकरलाल ठेकेदार, निदेशक शिक्षा एल.एन. तंवर, सुदामा सैनी एवं संस्थान के कार्यालय मंत्री किशोरीलाल बालाण सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## देश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

# ज्योतिबा फूले जयंती

**फतेहपुर शेखावाटी (सीकर)**। 11 अप्रेल 2012 को सांय 5 से 7 बजे तक क्रांतिकारी समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती आजाद अखण्ड चौरास्ता के पास स्थित महालक्ष्मी टेन्ट हाउस परिसर में मनाई गई। प्रारंभ में विशिष्ट अतिथियों ने फूलेजी के चित्र को माला पहनाई।

महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच ओबीसी विकास मंच, अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र एवं माली पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में मनाये गए जयंती समारोह की अध्यक्षता श्री दयाराम सैनी अध्यक्ष सैनी समाज फतेहपुर ने की। जबकि मुख्य अतिथि श्रीराम थालोड सचिव, अमाना एज्यूकेशन सोसायटी एवं श्री प्रेमप्रकाश छकडा सेवानिवृत सहायक लेखाधिकारी थे।

समारोह के मुख्य वक्ता आचार्य राम गोपाल शास्त्री, प्राचार्य, चमडिया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय ने अपनी स्वरचित कविता घोर अंधेरी रात का अवसान सुनाई तथा महात्मा फूले की 2 कविताएं सुनाने के साथ साथ महात्मा फूले के जीवन, सिद्धांत एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री सतीश शाण्डिल्य, अहिंसा प्रशिक्षक, अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र फतेहपुर ने बताया कि महात्मा फूले ने सामाजिक विषमता एवं शोषण के विरूद्ध अहिंसक विधि से संघर्ष किया। श्री प्रेमप्रकाश छकडा ने कहा कि फूले सामाजिक समरसता के संदेश वाहक थे। उनके स्त्री शिक्षा प्रसार आंदोलन से समाज के हर वर्ग को लाभ प्राप्त हुआ। विधवा विवाह का प्रचलन श्री उनका क्रांतिकारी सुधार कार्य था। श्री श्रीराम थालौड ने कहा कि पिछडे एवं दलित समाज के उत्थान में महात्मा फूले का योगदान उल्लेखनीय रहा है। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री दयाराम सैनी ने कहा कि महापुरूषों को किसी जाति, धर्म या वर्ग की सीमा में नहीं बांधा जा सकता है। वे लोग मानव मात्र के हितों के लिए जीते है।

अंत में महालक्ष्मी टेन्ट हाउस के प्रोपराईटर प्रसिद्ध समाजसेवक श्री महावीर प्रसाद सैनी (टाक) ने सभी आगन्तुकों का आभार प्रदर्शन किया।

समारोह में पधारे विशिष्ट लोगों ने श्री बुधरमल गढवाल, पूर्व पार्षद, श्री लालचन्द सैनी प्रधानाध्यापक, श्री हरिप्रसाद पापटवाण, श्री श्रीराम चूनाल, श्री महेशकुमार राकसिया प्रधानाध्यापक, श्री उदयकरण महीचा, रजनीश सैनी, अजित कुमार स्वामी, सीताराम सैनी तथा राकेश कुमार जांगिड थे।श्री महावीर प्रसाद सैनी द्वारा सभी आंगतुकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

**फलोदी।** महात्मा ज्योति राव फूले जंयती बुधवार को यहां धूमधाम से मनाई गई। पालिकाध्यक्ष अगरचन्द भाटी व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक बोहरा ने मालियों का बास

नयापुरा स्कूल से शोभायात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभायात्रा में मनमोहक झांकियां सजाई गई थी तथा महात्मा के जीवन को दर्शाने वाली झांकियां भी लोगों के कौतूहल का विषय रहा। श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। समाज की महिलाओं, युवतियों, बालकों की गरिमा मय उपस्थिति ने शोभायात्रा में चार चांद लगा दिये। भजन मण्डलियां भजन व गीत गा रही थी। शोभायात्रा भैयानदी, जवाहर ज्याऊ, रेलवे स्टेशन, अम्बेडकर सर्किल होते हुए महात्मा ज्योति राव फूले शिक्षण संस्थान छात्रावास में पहुंचकर सभा में तब्दिल हो गई। सभा में वक्ताओं ने महात्मा फूले द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प दिलवाया तथा बालिका शिक्षा को बढावा देने, बाल विवाह की रोकथाम, भ्रूण हत्या की रोकथाम आदि पर विचार व्यक्त किये गए। समाज अध्यक्ष बाबूलाल सोलंकी ने आभार व्यक्त किया।

**ज्योतिबा फूले जयंती मनाई**

**हांसी :** पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नैत्री कैलाशो सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले शिक्षा के अग्रदूत शोषत वर्ग के मसीहा, महान चिन्तक, समाज सुधारक तथा युग पुरूष थे। हमें उनके द्वारा दिखाये गए मार्ग पर चलने का प्रण लेना चाहिए। वे महात्मा ज्योतिबा फूले की 185 वीं जयंती महोत्सव पर दयालसिंह कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थी।

सेनी ने कहा कि हमें ज्योतिबा फूले के आचरण से त्याग की भावना, समाज में फैली कुरीतियों और रूढिवादिता को दूर करने की शिक्षा ग्रहण कर समाज के उत्थान की सोच पैदा करनी होगी। महापुरूषों के जीवन से सीख लेनी चाहिए ताकि समाज का उत्थान व उद्धार किया जा सके। पूर्व मंत्री अत्तरसिंह सैनी ने कहा कि फूले ने समाज में चेतना का अलख जगाने का काम किया है वे एक सशक्त समाज सुधारक तथा चिंतक थे। इनेलो नेता रविन्द्र सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले युवाओं के लिए एक आदर्श

है। इस अवसर पर मास्टर गोपीराम सैनी, रामकुमार सैनी, हरिराम सैनी, हरिसिंह सैनी, यशपालसिंह, महंत सागरनाथ, श्याम सुन्दर सैनी, सुनील सेनी व कई अन्य मौजूद थे।

**महात्मा ज्योतिराव फूले को किया गया नमन**

**कुरूक्षेत्र।** जिले भर में इण्डियन बहुजन संदेश पार्टी ने पुष्प अर्पित कर किया याद, कार्यकर्ताओं ने महात्या के दिखाये मार्ग पर चलने का किया संकल्प लिया।

इंडियन बहुजन पार्टी ने महात्मा ज्योतिराव फूले की 185वीं जयंति पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश प्रभारी शिव चरण सैनी ने की। सभी कार्यकर्ताओं ने उनके दिखाये मार्ग पर चलकर समाज में फैली बुराईयों को खत्म करने का संकल्प लियां कार्यक्रम में मुख्यअतिथि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा कांता आलडिया ने कहा कि महात्मा ज्योतिराव फूले देश के मुख्य समाज सुधारक थे। इसीलिए उनके नाम से प्रदेश के प्रत्येक जिले में चौक स्थापित किया जाये। उनके जन्म दिवस पर सरकारी छुटटी घोषित की जाये व सरकारी कॉलेज की स्थापना की जाये। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की है कि वे आपस में भाईचारे को बनाए रखें और तरक्की करें। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश लठवाल, बाबूराम, प्रदेशाध्यक्ष मुकेश कश्यप, मुकेश ग्रोवर, जिला महासिचव जगतसिंह कश्यप, जिला उपाध्यक्ष ओमपालसिंह, मनोज शर्मा, हरीसिंह कश्यप, नन्दकिशोर सैनी, सैलिंद्र सैनी, जयसिंह सैनी, बबली सैनी, फूलसिंह सैनी ,रामसिंह सैनी, शिवांस शर्मा व संजू चौधरी उपस्थित थे। सैनी समाज ने किया महात्मा को नमन कुरूक्षेत्ररत्न अखिल भारतीय पिछडा वर्ग अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी संघ व भारत मुक्ति मोर्चा ने सैनी समाज समाज भवन में महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती पर पुष्प अर्पित कर उनहें नमन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हजकां नेता दीप सैनी ने शिरक्त की जबकि डॉ. सुभाष ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर विनोद कुमार रहे। मंच का संचालन सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने किया। दीप सैनी ने कहा कि महात्मा फूले ने समाज सुधार के क्षेत्र में बहुत कार्य किये। प्रत्येक व्यक्ति को उनके दिखाये गए मार्ग पर चलना चाहिए और सामाजिक हित में कार्य करने चाहिए। महात्मा फूले ने शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुमूल्य योगदान दिया। इस अवसर पर वेदप्रकाश, सत्यवान, सुशील सैनी, मनजीत सैनी, मलकीत सैनी, विजय कुमार, सरदार बलदेवसिंह सैनी, मुरारीलाल सैनी, देशराज सैनी, सुभाष पारचा, दिनेश चौहान, ऋषि, रामपाल, सुरेश सैन, नरेश सैनी उपस्थित थे। इसी प्रकार डॉ. अम्बेडकर स्टूडेन्ट फ्रंट ऑफ इण्डिया की ओर से आरके सदन में राष्ट्रपति ज्योतिबा फूले और डा.बी.आर. अम्बेडकर की संयुक्त जयंती समारोह का आयोजन किया गया। उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. हुकमसिंह ने शिरकत की जबकि डॉ. अंबेडकर अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. जेएस बिडलान ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि ने महापुरूषों के दिखाये रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी और समाज को एकजुट होकर रहने को कहा। मौके पर सुभाष डॉ. रोहताश रंगा, डॉ. आनन्द, डॉ. राजेश, डा. राजबाला, डॉ. पूर्णसिंह, डा रविन्द्र ग्रोवर, अनिल, प्रदेश उप प्रधान रविन्द्र ढांडा, प्रधान अशोकसिंह, उप प्रधान विकास रंगा, मोनू, संजीवजोगीराम, वीरेन्द्र आदि उपस्थित थे।

**धौलपुर।** नेकराम कुशवाहा धर्मशाला आगरा बस स्टेण्ड के पास गोविन्दसिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई गई। जिसमें वक्तओं ने महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार से महात्मा ज्योतिबा फूले ने विकट परिस्थितियों का सामना करते हुए खुद और अपनी अपनी पत्नी सावित्री बाई फूले को पढाया। वह प्रेरणादायी है। हमें भी बालिका शिक्षा को बढावा देना चाहिए। क्योंकि इससे दो पीढिया शिक्षित एवं संस्कारवान होती है। प्रदेश अध्यक्ष पूनरसिंह कुशवाह ने कहा कि हमें महात्मा फूले के बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लेना चाहिए और आगे आकर समाज का विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही आप आधी रोटी खाए लेकिन अपने बच्चों को पढाओ तभी देश और समाज का उत्थान होगा।

प्रदेश महासचिव गौरेलाल ने कहा कि समाज को जागृत करने के लिए जागृति अभियान चलाना होगा। प्रदेश कानूनी सलाहकार सतिराम कुशवाह ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष अमरसिंह बंशीलाल, महासचिव कन्हैयालाल माथुर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जिला अध्यक्ष भगवानसिंह कुशवाह ने कहा कि समाज को महात्मा के संघर्षो से प्रेरणा लेकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना चाहिए। इस मोके पर अजीतसिं, कुशवाह, नरेन्द्रसिंह कुशवाह, जयप्रकाश कुशवाह, सनी कुशवाह, राजाराम कुशवाह, देवीसिंह कुशवाह, प्रमोद कुशवाह, बद्रीप्रसाद कुशवाह, महेन्द्र कुशवाह आदि उपस्थित थे।

**भरतपुर।** महात्म ज्योतिबा फूले माली समाज उत्थान समिति के तत्वावधान में समिति अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एडवोकेट की ओर से कम्पनी बाग स्थित प्राचीन मन्दिर मनकामेश्वर महादेव पर महात्मा ज्योतिबा फूले की 186वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व व्याख्याता किशनसिंह सैनी ने महात्मा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर लाल प्रतिभाओं द्वारा कविता व गीता प्रस्तुत कया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं व सामूहिक विवाह के दौरान नवयुवक युवतियों को सम्मानित किया गया। गणमाय व्यक्तियों को माल्याप्रण एवं साफा बांधकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी रामभजन सैनी, बृजेश कुमार सैनी, राम सैनी, खुशीराम सैनी, राधेश्याम सैनी, अतरसिंह सैनी, हुकुमसिंह, रामप्रसाद सैनी, जानकीप्रसाद सैनी आदि उपस्थित थे। समारोह का समापन समिति अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एडवोकेट द्वारा किया गया।

**नगर :** सैनी समाज सुधार समिति द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले की शोभायात्रा धुमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा की शाम चमनपुरा मौहल्ला

स्थित सैनी धर्मशाला से महात्मा ज्योतिराव फूले, राम दरबार, भगवान शंकर, राधाकृष्ण व मां काली की झांकियों सहित बैण्ड बाजों के धार्मिक भजन संगीत के साथ शुरू हुई। शोभायात्रा में घोड़ा घोडी नृत्य, डीजे पर युवाओं का डांस व पटटेबाजी आकर्षण का केन्द्र रही। इसके बाद शोभायात्रा डीग चुंगी, सैनी मौहल्ला, मोरी बाजार, मुख्य बाजार, जलेबी चौक आदि प्रमुख मार्गो से होकर पुनः धर्मशाला पर सम्पन्न हुई। इस मौके पर वक्ताओं द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर शिक्षित होने का संदेश दिया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष रमनलाल सैनी उदयसैनी गणेशीलाल सेनी, फत्तेसैनी, धनसिंह सैनी, पदमसिंह व जौहरीलाल आदि लोग उपस्थित थे।

**झुंझुंनू :** झुंझुंनू में महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। जिला मुख्यालय पर सैनी मन्दिर में बअुधवार को महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर शिक्षाविद दगनलाल धूपिया ने कहा कि दो सौ साल पहले भारत में शिक्षा ग्रहण करना कंटीले तारों पर चलने जैसा था। उस वक्त महिलाओं के लिए तो शिक्षा के द्वार ही नहीं खलु थे। लेकिन महात्मा ज्योतिबा फूले जैसे युग पुरूष ने घर घर में महिला शिक्षा की अलख जगाई थी। मुख्य अतिथि ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ. दयाशंकर बावलिया थे। अध्यक्षता मनोनीत पार्षद रामकुमार सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि गौड ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष संतकुमार पुरोहित, खुर्शीद हुसैन गोहर, बनवारीलाल सैनी बगड, कांग्रेस जिला मंत्री नवाब अली, एनएन पारीक थे। अतिथियें ने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान में युवाओं को फूले के आदर्शो को गांव गांव व ढाणी ढाणी में फैलाने का प्रण लेना चाहिए। इस अवसर पर सुधाकर शर्मा, बनवारीलाल मिटावा, पार्षद प्रदीप सैनी, ताराचन्द सैनी, विजय सैनी, पूर्णसिंह, रामवतार खडोलिया, लक्ष्मण सैनी समेत समाज बंधु मौजूद थे। इस्लामपुर में लखोटिया आदर्श विद्या मन्दिर में राजस्थान समता परिषद के महामंत्री महेन्द्र शास्त्री की अध्यक्षता में फूले जयंती मनाई गई।

विशिष्ट अतिथि बुधराम सैनी, बनवारीलाल कुमावत, पार्षद श्यामलाल सैनी थे। संचालन व्याख्याता रामगोपाल ने किया।

न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल में सामाजिक कांति के अग्रदूत की जयंती प्यारेलाल ढूकिया की अध्यक्षता में मनाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि बसपा के जिला ध्यक्ष चूडी थे। प्यारेलाल ढूकिया ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले ने सबसे पहले महिला शिक्षा की अलख जगाई। मुख्य अतिथि श्री सज्जनलाल चूडी ने कहा कि फूले ने धार्मिक कटटरता और अस्प्रश्यता का घोर विरोध कियां विशिष्ट अतिथि पंकज धनखड, विधानसभाध्यक्ष शंकरलाल भूकल, झुंझुंनू विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र फौजी, न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अजय सोमरा ने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन नेशनल इको क्बल प्रभारी महावीर प्रसद शर्मा ने किया।

**नवलगढ़ :** कस्बे के सैनी छात्रावास में महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंति सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष जगदीश सैनी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। महामंत्री सुरेन्द्र सैनी, पूर्व अध्यक्ष बल्लभ तंवर, जीवनराम सैनी, विनोद सैनी ने फूले के जीवन के बारे में बताया। मुकेश राहड़ ने आभार जताया। उधर बडवासी की तन में सिथत फूलेराव नगर में महात्मा ज्योतिबा जयंती ग्राम सेवा सहकारी समिति के उपाध्यक्ष भागीरथ मल सैनी की अध्यक्षता में मनाई गई। मण्डल अध्यक्ष दिनेशकुमार ने आगन्तुकों का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष गंगाधर सैनी ने आभार जताया।

**उदयपुरवाटी :** सेनी समाज संस्थान की ओर सैनी मन्दिर में महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती समारोह पूर्व मनाई गई कई वक्ताओं ने फूले के आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि चैयरमेन रामेश्वरलाल सैनी ने कहा कि महापुरूषों की जयंती समारोह मनाने से समाज को नई दिशा और संबल मिलता है। समारोह के अध्यक्ष रामकरण सैनी ने कहा कि सभी जाति और समाज के लोगों को साथ लेकर महिला शिक्षा को प्रोत्साहन देकर महापुरूषों को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। समारोह को केके सैनी, पूर्व चेयरमेन छोटूराम कबाडी, पूर्व अध्यक्ष जवाहरमल सैनी, बद्रीप्रसाद सैनी, पूर्व सांसद भोमाराम सैनी, व्याख्याता महेन्द्र सैनी आदि ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर रामनिवास सैनी पूर्व पार्षद महावीर सैनी, महेश तामीडा, बबलू जमालपूरिया, जगदीश महाराज, बीएल सैनी, कालूराम सैनी, राकेश जमालपूरिया, भागीरथ सैनी, जयदेव सैनी, नागरमल आडतिया, गुलाबचन्द आडतिया, अजय तसीड, महेश मूल्यावाला, सुभाष सैनी, मोहनलाल सैनी आदि उपस्थित थे। मंडावा, सैनी समाज संस्था की ओर से फतेहपुर रोड स्थित हनुमान मन्दिर में पूर्व पालिकाध्यक्ष राधेश्याम सैनी की अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती समारोह पूर्व मनाई गई। समाज के लोगों ने ज्योतिबा फूले के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। एडवोकेट राजकुमार सैनी ने फूले को सामाजिक एवं शैक्षणिक क्रांति का जनक बताते हुए कहा कि उनके जीवन का लक्ष्य न्याय एवं मानव अधिकारों को प्राप्त करना था। आज की युवा पीढी के लिए जीवन में आगे बढने के लिए उनके बताये गए रास्ते प्रेरणादायी हो सकते है। राधेश्याम सैनी ने कहा कि ज्योतिबा फूले गरीबों के मसीहा थे। हमेशा आत्म गौरव की भावना जगाने के लिए संघर्ष करते रहे। नारी शिक्षा व समाज से कुरीतियों को मिटाने में फूले का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष नागरमल इंदौरिया, सुरेश सैनी, मस्तराम चोपदार, हरदयाल काला, बंशीधर मीठावा, रामप्रताप सैनी, शिव भगवान मुरारी, रामनाथ चूनवाल, शंकरलाल बालाण, जगदीश सहित सैनी समाज के कई गामान्य लोग मौजूद थे।

**बिसाउ :** सैनी समाज प्रगति मण्डल की ओर से महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती वैजनाथ सैनी की अध्यक्षता में मनाई गई। मुख्यअतिथि रामाणा बालाजी धाम के महंत पण्डित प्रभुदयाल शर्मा थे। विशिष्ट अतिथि मोतीलाल सैनी, रामगोपाल सैनी, कॉपरेटिव अध्यक्ष ओमप्रकाश पुजारी, डूंगरमल सैनी आदि ने फूले की जीवनी पर प्रकाश डाला।

**चंवरा :** ज्योतिबा नगर पौख में महात्मा फूले जयंती मनाई। समारोह की अध्यक्ष श्योलाराम सैनी ने की। मुख्य अतिथि सरपंच मूलचन्द सैनी थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए सरपंच मूलचन्द सैनी ने महात्मा फूले के जीवन पर

प्रकाश डाला एवं उनके आदर्शों पर चलने का आव्हान किया। इस मौके पर बद्रीप्रसाद, ओमप्रकाश, नितीशकुमार सहित समाज के कई लोग मौजूद थे।

**छात्र संगठन ने भी मनाई जयंती**

कुशवाह संगठन की ओर से मंगल होटल में शिक्षा शिरोमणि महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई गई। इस मौके पर अध्यक्षता महाराजसिंह कुशवाह ने की। उन्होंने महात्मा के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होनें कहा कि आज भारत में जो शिक्षा मिल रही है वह ज्योतिबा फूले की ही देन हैं उनहोंने पिछडों के लिए कई सराहनीय कार्य किये। इसीलिए उन्हें दलित व पिछड़ों का मसीहा का जाता है।

पूर्व अध्यक्ष महेश कुशवाह ने कहा कि हमें महात्मा ज्योतिबा फूले को आदर्श मानकर आगे बढ़ना चाहिए और समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। पूर्व अध्यक्ष मिठठन लाल कुशवाह ने कहा कि समाज में हुए महापुरूषों के जीवन दर्शन को अंगीकृत करना चाहिए तथा समाज सेवा का कार्य करना चाहिए। इस मौके पर विश्वंर दयाल कुशवाह, दलेशकुमार कुशवाह, कोमल कुशवाह, रजनी कुशवाह, विनोदकुमार, भंवरसिंह, श्याम कुशवाह, रामप्रकाश, अनिल कुमार, सूरजसिंह, बंटी, भरतसिंह आदि लोग उपस्थित थे।

**निम्बाहेड़ा :** महात्मा ज्योति बा फुले जयंती पर माली समाज द्वारा मंडी

चौराहा स्थित गार्डन से सुबह 11 बजे शोभायात्रा निकाली जिसे प्रधान गोपाल आंजना ने झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभायात्रा प्रमुख मार्गों से होते हुए ढाबेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर सभा में परिवर्तित हुई।

शोभायात्रा में महिलाएं कलश लिए चल रही थीं, पुरूष व युवा भजनों पर नृत्य करते महात्मा जी के जयकारे लगाते चल रहे थे। समारोह के मुख्य अतिथि पालिका उपाध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि देवीलाल मीणा, अंबालाल सेरसिया, मिथिला वर्मा, जगदीश भांबी का अभिनंदन किया। सोहनलाल माली, मुकेश माली, नगर अध्यक्ष मनोहर माली, शंभू उस्ताद,य कमलेश तेली, चुन्नीलाल माली, धनराज, नरेन्द्र ने स्वागत किया। मोतीलाल आहुजा, पारस, नितिन वचतुर्वेदी, उमेश तोतला, मांगीलाल मेघवाल, कालूराम बारेट, जगदीश मालवी, चेनसिंह चौहान, ललित प्रकाश शारदा सहित समाज के लोग उपस्थित थे। अंबालाल सेरसिया ने किया। संस्थान अध्यक्ष मुकेश माली ने आभार जताया।

**फुले जयंती पर लगाया रक्तदान शिविर**

सरदारशहर नेत्रदान व रक्तदान जन जागरण अभियान व महात्मा ज्योतिबा फुले युवा संस्थान की ओर से महात्मा फुले की जयंती लगाए गए रक्तदान शिविर का शुभारंभ एसडीएम सोहनलाल कायल ने किया।

शिविर की अध्यक्षता समाज सेवी रावतमल सैनी तथा विशिष्ट अतिथि रोडवेज के मुख्य प्रबंधक नंदराम साकरवाल व भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष बनवारीलाल जांगिड़ थे। अतिथियों ने रक्तदान की महत्ता बताते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान के समान है, इसलिए सभी को रक्तदान करना चाहिए। कार्यक्रम में तहसील संयोजक मोनिका सैनी, सांवरमल कम्मा, डा. मैनपालसिंह, तेजपालसिंह व टीकमचंद भोजक आदि ने भी विचार व्यक्त किए। शिविर में

जितेन्द्र डागा, मनोज सैनी, गणेश पंवार, मनोहर तंवर सांवरमल सैनी, सांवरमल कम्मा, सुरेंद्र बाना, मुलाराम मेघवाल, श्यामलाल माली, सोनी जांगिड़, हेमलता निर्वाण, राजकुमारी व मुकेश तंवर आदि ने रक्तदान किया। शिविर में डॉ. मैनपालसिंह की टीम के संस्करण चारण, महमूद अली, मुरलीधीर कुमावत, शहनवाज हुसैन, दलीप कुमार, तेजपालसिंह, किशनलाल स्वामी, औंकारमल व पूनमचंद भाटी ने सहयोग किया। जिला संयोजक गणेशदास स्वामी आभार व्यक्ति किया।

**ज्योतिबा फुले के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया**

भारतीय मूल निवासी छात्र संगठन ने बुधवार को समाज सुधारक संत

ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई। कोटा रोडा स्थित अग्निशमन कार्यालय में स्थित ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया। इस दौरान हुई बैठक में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविकांत मीणा, लालसिंह मारन की अगुवाई में संगठन के छात्रों ने ज्योतिबा फुले के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 14 अप्रैल को सुबह 10 बजे आंबेडकर जयंती के उपलक्ष में जनचेतना रैली निकाली जाएगी। यह रैली स्वामी विवेकानंद पार्क से अंबेडकर सर्किल तक पहुंचगी। कार्यक्रम में संगठन के जिलाध्यक्ष महावीर बैरवा, राकेश मेघवाल, महासचिव शहजाद खान, प्रवक्ता प्रदीप भुलाहेड़ी, संगठन मंत्री शिवचरण मीणा, राजेश बोरड़ी, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र मीणा, उपाध्यक्ष राजेंद्र बैरवा, राणा गुर्जर, कौशल नागर, जगदीश मुसैन, रामू आदि मौजूद थे।

बारां ज्योतिबा फूले के जन्मदिन पर भारतीय मूल निवासी छात्र संगठन के सदस्यों ने कोटा रोड स्थित ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर सफाई कर माल्यार्पण किया।

**फूले के आदर्शों पर चलें**

**पीलीबंगा** युवक कांग्रेस ने बुधवार को कृषक विश्राम गृह के समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। कमेटी के महासचिव सतपाल सैनी ने फूले के आदर्शों पर चलने एवं उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष मुरारीलाल सैनी,

जसपाल दादरवाल, संजय, वेदप्रकाश, पूर्ण भार्गव, रमण कुमार, मन फूलराम नाखाणी, देवीलाल मावर, प्रेम ठाकर, मुकेश, सतपाल जोरा, हुक्माराम सैनी, रफीक मोहम्मद व विनोद गोठवाल आदि मौजूद थे।

**इसी प्रकार सैनी युवा मंडल की ओर से बुधवार को मंसापूर्ण बालाजी मंदिर में फुले जयंती मनाई गई।**

चानणमल की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सुभाष सिंगोदिया ने कहा कि फुले ने समाज को शिक्षित कर कुरीतियों को दूर करने पर बल दिया था। ऐसे महापुरूषों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। शंकरलाल बालाण ने महिला शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया। सुरेंद्र राक्सिया ने युवाओं को सामाजिक भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अनिल बालाण, ओमप्रकाश बागड़ी, विनोद सिंगोदिया, भागीरथ दईया व धनराज हलवाई आदि मौजूद थे।

**श्रद्धा से मनाई ज्योतिबा फुले जयंती**

**जालोर :** शहर के पुरानी सब्जी मण्डी स्थित लिखमीदासजी धर्मशाला में महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति मंच के तत्वावधान में बुधवार को महात्मा फुले की जयंती मंच के जिलाध्यक्ष जवानाराम परिहार की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम में मंच के सदस्यों व पदाधिकारियों ने महात्मा फुले की तस्वीर के समक्ष पुष्प अर्पित किए। साथ ही उनकी जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वक्ताओं ने महात्मा फुले के पद चिह्नों पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर जसराज सुंदेशा, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष हुकमीचंद माली, भंवरलाल, रमेशकुमार सोलंकी, लालाराम गहलोत, बाबूलाल टांक, नरसाराम सोलंकी, हंजार सोलंकी, लीलूदेवी, मथरादेवी, दीवाली बाई, ज्योतिबाई, संतोष बाई, फुली बाई व जेठी बाई समेत माली समाज के कई लोग मौजूद थे। इसी प्रकार माली समाज छात्रासंघ की ओर से संगठन के कार्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के जबराराम माली थे, जबकि अध्यक्षता छात्र संघ जिलाध्यक्ष गणपत सोलंकी मौजूद थे। नगर अध्यक्ष रमेश माली ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महात्मा फुले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा फुले का युवा व महिला वर्ग को शिक्षित करने में अहम योगदान दिया है। इस मौके विक्रम सोलंकी, महेंद्र गहलोत, धीरज करणोत, विकास माली, दिनेश देवड़ा व सुरेश माली समेत छात्र संघ के कई कार्यकर्ता मौजूद थे। अवामी आमजन पार्टी की ओर से जिला कार्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वत अख्तर ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने देश में शिक्षा की अलख जगाई थी। उन्होंने 24 वर्ष की आयु में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बालिका विद्यालय खोला था। प्रदेश अध्यक्ष भरत गहलोत ने कहा कि फुले एक आदर्श पुरूष थे, जिन्होंने गरीबों को शिक्षा से विकास का रास्ता बताया। इस मौके पार्टी के जिलाध्यक्ष रमेश गहलोत, प्रदेश महासचिव फिरोज मेहर, उपाध्यक्ष आय्यूब गहलोत, महासचिव अभयसिंह, पारसाराम व जिला सचिव मंगलाराम समेत पार्टी के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

**विद्यालय में भी मनाई जयंती :** शहर के ज्योतिबा फुले उच्च माध्यमिक विद्यालय में ज्योतिबा फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर माली समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष पन्नालाल सोलंकी, संस्था प्रधान प्रकाश माली, छात्रावास अधीक्षक मूलाराम गहलोत ने महात्मा फुले की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष सोलंकी ने कहा कि फुले ने पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज के फैली कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। संस्था प्रधान माली ने कहा कि महात्मा फुले ने समाज के विकास के लिए कई कार्य दिए। इसी तरह शहर के भरत विद्या मंदिर गौड़ीजी में महात्मा फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति मंच के प्रदेश सचिव नाथू सोलंकी ने कहा कि महात्मा फुले सामाजिक शैक्षणिक क्रांति के अग्रदूत थे। विद्यालय के संस्था प्रधान राजकुमार चौहान व भीरू ग्रुप के सचिव भंवरलाल सोलंकी ने भी महात्मा की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके विद्यालय स्टाफ समेत कई विद्यार्थी मौजूद थे।

**अछूतों के मसीहा थे महात्मा फुले : कच्छवाह**

**बालोतरा ।** ज्योतिबा फुले अछूतों तथा गरीब तबके के लोगों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने हर जरूरतमंद तथा शोषित वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दीन-दुखियों तथा असहाय की हर संभव मदद की।

महात्मा फुले ने ऊंच-नीच को मिटाकर समाज के हर तबके को आपस में भाईचारे का पाठ पढ़ाया। ये बात बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फुले के जयंती समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षाविद् एमबी कच्छवाह ने कही। प्रधानाध्यापक महेन्द्र परिहार ने बताया कि स्कूल में महात्मा की तस्वीर में समक्ष माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष गोविन्द सुंदेशा, चंपालाल सुंदेशा, शंकरलाल पंवार, राणीदान रावल, रामेश्वरलाल पालीवाल, रमेश कुमार, वीरेंद्रसिंह व भारत कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

**महात्मा फुले की जयंती मनाई :** मोकलसर कस्बे के एमजेएफ माध्यमिक स्कूल में बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में व्यवस्थापक जीके भाटी ने ज्योतिबा फुले का जीवन परिचय सुनाया। संस्था प्रधान प्रवीण सिसोदिया ने उनके जीवन में बताते हुए फुले को समाज के लिए समर्पित महान व्यक्तित्व का धनी बताया। इस दौरान रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राणी कर्मवती दल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचलान लतीफ खां ने किया। इस मौके पर दीपाराम, फूलाराम, हरचंद, भावेश, करण व करतारसिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

**न्यू माली युवा संगठन ने निकाली वाहन रैली**

माली समाज की ओर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। इस उपलक्ष्य में न्यू माली युवा संगठन की ओर से सुबह वाहन रैली निकाली गई। रैली को नगरपालिका अध्यक्ष महेश बी चौहान, करनाराम पंवार, भंवरलाल पंवार, वासुदेव, डूंगर, मानवेन्द्र, रावताराम, नेनाराम, नेमीचंद व अमराराम ने झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन रैली भगवती स्कूल, गेर चौक, माली समाज भवन, पादरू बस स्टेण्ड, भैरू बाजार, सदर बाजार, चोंच मंदिर, मालियों का वास, उम्मेदपुरा होते हुए पुन माली समाज भवन पहुंची, जहां रैली का स्वागत किया गया। रैली में युवा संगठन के अध्यक्ष सुरेश सुंदेशा, विक्रम एम पंवार, जेठाराम, लाबूराम, हस्तीमल चौहान, श्रवण गहलोत, विमल गहलोत व भरत गहलोत सहित सैकड़ों युवा शामिल थे।

**करौली :** ज्योतिबा फुले शिक्षा संचालन समिति के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले उमावि में फुले की 186वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष बद्रीलाल माली ने फुले के चित्रपट्ट के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उनके आदर्शों पर चलने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रजापत समाज राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश्वर प्रजापत ने ज्योतिबा द्वारा दिए शैक्षणिक योगदान पर प्रकाश डाला। विद्यालय के निदेशक प्रेमसिंह माली ने फुले को शैक्षणिक क्रांति का अग्रदूत बताया। इस मौके पर प्रधानाचार्य धर्मसिंह जेरिया, संरक्षक राधेश्याम गुप्ता, भंवर माली, नगरपालिका पार्षद बाबू लाल माली, प्रधानाध्यापक राजेश जाटव, अध्यापक शेरसिंह बैरवा, भुवनेंद्र कुमार, अशोक कुमार , रामावतार, शत्रुघ्न, राजाराम, तेजराम, विजय सिंह, हरिसिंह, रामकुमार, सुश्री सोनल, शिप्रा, अनुराधा एवं विद्यार्थियों सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। फुले की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सामान्य ज्ञान, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता में विजेता-उपविजेता रहे भगवान सिंह माली, कीर्ति मीणा, कविता जाटव, लक्ष्मी मीणा, सौरभ मीणा, नितिन मीणा, हेमलता मीणा, सोनम सिंह जागा, सौरभ मीणा, पुष्पेंद्र कुमार जाटव, नरेश माली, भुवनेश गुप्ता, निधि सिकरवार तथा प्रगति कुशवाह को सम्मानित किया गया।

**हिंडौन सिटी :** जयंती के अवसर पर बुधवार को सैनी समाज की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। इसमें कई धार्मिक झांकियां सजाई गई। प्रहलादकुंड से इस शोभायात्रा को सैनी समाज के पूर्व जिला संरक्षक गिर्राज सैनी और जिलाध्यक्ष रामसहाय सैनी ने रवाना किया। इस मौके पर शोभायात्रा के झंडे की बोली लगाई गई।अंतिम बोली गोपीराम सैनी करसौली के नाम 31 हजार रूपए में रही। इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फूले विकास संस्थान का गठन किए जाने का भी निर्णय लिया गया। संस्था के अध्यक्ष बद्रीप्रसाद सैनी ने बताया कि शोभायात्रा में राधाकृष्ण, शिव-पार्वती, सीता हरण, दुर्गा एवं काली देवी के साथ माखन चोर की भी झांकियां सजाई गई। शोभायात्रा का समापन सब्जी मंडी के पास स्थित सैनी धर्मशाला में हुआ, जहां सैनी, रगगीराम सैनी, सूरजमल सैनी, घमंडी राम, मदनमोहन गहलोत, लक्ष्मीनारायण, कमलसिंह, शेरसिंह, प्यारसिंह, पांज्या राम आदि लोग शामिल हुए।

**आदर्शों को अपनाएं**

टोडाभीम रामघटा मंदिर में ज्योतिवा राव फूले जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलशयात्रा व शोभायात्रा निकाली गई। उपखंड मुख्यालय नाहर खोहरा रोड पर स्थित रामघटा मंदिर में दोपहर दो बजे जयंती माहेत्सव का शुभारंभ हुआ जिसमें समाज के प्रबुद्धजनों ने महात्मा ज्योतिवा राव फुले के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए गए पद चिह्नों पर चलने का आह्वान किया। लगभग तीन बजे मंदिर प्रांगण से कलशयात्रा व शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महात्मा ज्योतिबा राव फुले सहित विभिन्न देवी-देवताओं की सजीव झांकी सजाई कई। शोभायात्रा के बाद आम सभा आ आयोजन किया गया जिसमें पंच पटेलों ने विभिन्न सामाजिक बुराइयों पर पाबंदी लगाए जाने पर विचार रखे।

इस अवसर पर समाज के प्रतिभावन छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह हुआ, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं में 75% से अधिक अंक जाने वाले बालकों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

**सवाई माधोपुर ।** महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के तत्वावधान में बुधवार को संस्थान कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल सैनी की अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के जिलाध्यक्ष ने महात्मा फुले की तस्वीर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

संस्थान के जिलाध्यक्ष ने महात्मा फुले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए फुले द्वारा दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों, के लिए किए कार्यों की सराहना करते हुए सच्चा मसीहा बताया। इस अवसर पर संस्थान संयोजक भगवान माली ने महात्मा फुले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर महात्मा फुले के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर संस्थान उपाध्यक्ष कमलेश सैनी, तुलसीराम सैनी, कैलाश नारायण सैनी, नंदकिशोर सैनी, सुरेश सैनी, बसंतीलाल सैनी, पप्पू लाल सैनी, हरिप्रसाद सैनी, कैलाशचंद सैनी, राजेंद्र सैनी, पांचू लाल सैनी, शंकरलाल सैनी, कमलेश सैनी आदि ने फुले के जीवन पर प्रकाश डाला।

### आदर्शों का करें अनुकरण

**सवाई माधोपुर :** महात्मा ज्योतिबा राव फुले एक सच्चे समाज सुधारक तथा पिछड़ों के मसीहा तथा नारी शिक्षा एवं निम्न वर्गों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने वाले महान संत थे। उक्त विचार फुले की जयंती समारोह के अवसर सैनी आदर्श विद्या मंदिर रामसिंहपुरा में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष भागचंद सैनी ने व्यक्ति किए।

उन्होंने महात्मा फुले के आदर्शों एवं सिद्धांतों को प्रत्येक परिवार को अपनाने पर जोर दिया। इस मौके प्रधानाध्यापक राम भजन सैनी, लल्लू लाल सैनी, कृतिका चौहान, सुरेश प्रजापत, प्रेमराज गुर्जर, सुरेश सैनी आदि ने भी विचार व्यक्ति किए। चौथका बरवाड़ा त्न कस्बे में स्थित महात्मा ज्योतिबा राव फुले उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को महापुरूष ज्योतिबाराव फुले की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अतिथियों ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में संस्थान के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल सैनी, पूजा सुमन सैनी, बिरदीचंद सैनी, कैलाश सैनी, हरीश महावर, महेश नागर, हेमराज सैनी, मंजू शर्मा, मंजू यादव, सीताराम सैनी आदि ने भाग लिया।

**गंगापुर सिटी ।** महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। सावित्री बाई व महात्मा ज्योतिबा फुले सेवा समिति की ओर से सैनी शिक्षण संस्थान मिर्जापुर में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिचरण ने की। उन्होंने फुले को सामाजिक क्रांति का अग्रदूत बताया जबकि बाबूलाल सैनी ने फुले के आदर्शों पर चलनपे का आह्वान किया। इस मौके पर रामकेश सैनी लड्डूराम सैनी, प्रभुदयाल सैनी, हरकेश पीटीआई, मदनमोहन सरपंच, मोहनलाल ठेकेदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए और समाज की धर्मशाला का निर्माण करने पर जोर दिया।

इसी प्रकार एमजेएफ पब्लिक स्कूल में सुबह 11 बजे फुले की प्रतिमा पर प्रधानाध्यापक पीएल सैनी ने दीपक जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने फुले की जीवनी के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताते हुए समाज के लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। व्यवस्थापक जयराम सैनी ने विद्यार्थियों को सावित्री बाई फूले और महात्मा फुले के बारे में बताते हुए कहा कि फुले समाज सुधारक थे। इस मौके पर बच्चूलाल सैनी, अमरसिंह सैनी, विजय सैनी सहित लोग उपस्थित थे।

**बीकानेर ।** महात्मा ज्योतिबा फुले की 186वीं जयंती बुधवार को विभिन्न संगठनों की ओर से मनाई गई। दलित पिछड़ा व अल्पसंख्यक महासभा की ओर से आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोपाल गहलोत ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्श अपनाने की बात कही।

मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष शिवलाल तेजी ने कहा कि महात्मा फुले ने दलित पिछड़ा समाज में शिक्षा का आगाज किया था। उन्होंने महात्मा फुले व डॉ. आंबेडकर के आदर्श अपनाने का आह्वान किया। गोष्ठी की अध्यक्षता दलित समाज के वरिष्ठ नेता किशनाराम नायक ने की। गोष्ठी में अशोक प्रजापत, ओमप्रकाश भाटी, मो. असलम, लखूराम गहलोत, भगत गहलोत आदि

ने महात्मा ज्योतिबा फुले के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। गोगागेट स्थित माली सैनी सभा के महामंत्री गुलाब गहलोत, मुरली गहलोत, दिनेश कच्छावा आदि ने महात्मा फुले के पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। माली सैनी यूथ फैडरेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष बजरंग तंवर, निहालसिंह सैनी, दीपक गहलोत, कैलाश गहलोत आदि ने महात्मा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय जागृति मंच की ओर से गंगाशहर रोड स्थित माली सैनी समाज भवन में जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में रघुनाथ तंवर, आनंदसिंह गहलोत, पूनमचंद तंवर, दिनेश कच्छावा आदि ने महात्मा फुले को पुष्पाजंलि अर्पित की।

### फुले के आदर्शों को आत्मसात करें

**कांवट ।** ज्योतिबा फुले जयंती पर जिलेभर में हुए आयोजन कार्यक्रमों में वक्ताओं ने जीवन पर डाला प्रकाश महात्मा ज्योतिबा युवा समिति युवा समिति के तत्वावधान में सैनी समाज द्वारा ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्यारसीलाल सैनी थे तथा अध्यक्षता इंद्रा सैनी ने की। सचिव सीएल सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई तथा बाल विवाह पर रोक तथा मृत्युभोज बंद करने पर निर्णय लिया गया। इस मौके पर हनुमान प्रसाद, कानाराम, बजरंग ठेकेदार बाबूलाल ठेकेदार आदि मौजूद थे। श्री माधोपुर कस्बे के स्टेप बाई स्टेप इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। संस्था के निदेशक महेश सैनी के अनुसार समारोह में वक्ताओं ने फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला गया तथा विद्यार्थियों को फुले के आदर्श सिद्धांत को आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर पर प्रिंसिपल नरेन्द्र सैनी, घनश्याम चौधरी, सरोजनी खुराना, सीमा, मंजू, पूजा एवं अभिभावकगण मौजूद थे। लक्ष्मणगढ़ महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती राजस्थान माली सैनी महासभा के प्रांतीय संरक्षक आनंद कुमार बागड़ी की अध्यक्षता में महासभा के चौपड़ बाजार स्थित कार्यालय में मनाई गई। महासभा के मंत्री कैलाश टांक ने बताया कि इस अवसर पर सैनी समाज के अध्यक्ष महावीर गौड़, महेन्द्र चूनवाल, राधेश्याम टांक, पूर्णमल राकसिया, झाबरमल सिंगोदिया, बाबूलाल सैनी, एडवोकेट सज्जन सैनी, एडवोकेट सत्यनारायण आदि वक्ताओं ने महात्मा फुले के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार महात्मा फुले अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी की ओर से सज्जन सैनी की अध्यक्षता में जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

**बारां,,** महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती के अवसर पर दिनांक 11 अप्रेल 2012 को अग्नि शमन केन्द्र बारां के परिसर में स्थापित महात्मा ज्योतिबा फूले प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया गया तथा एक गोष्ठि आयोजित की गई, जिसमें श्री

नन्दलाल सुमन प्रदेश प्रतिनिधि भाजपा व पूर्व उपाध्यक्ष नगरपालिका बारां ने महात्मा फूले के विचारों पर प्रकाश डालते हुऐ बताया कि ज्योतिबा एक युग पुरूष थे, जिन्होंने गरिबों व दलितों के उत्थान के लिए जीवन पर्यत्न संघर्ष किया तथा नारी शिक्षा की नींव रखी। ज्योतिबा के चरित्र को वर्णित करते हुऐ भाजपा देहात मण्डल अध्यक्ष मोरपाल सुमन ने बताया कि ज्योतिबा ने सामाजिक ,राजनैतिक व शैक्षणिक समानता पर आधारित शोषण रहित समाज की स्थापना करने के लिए सघंर्ष किया तथा नारी शिक्षा की अलख जगाई। कोषाध्यक्ष शिवनारायण सुमन ने बताया कि जयन्ती मनाने का उद्देश्य तभी सार्थक है जब हम महापुरूषों के विचारों को जीवन में आत्मसात करे तथा उनके आदर्शो को जन जन तक पहुचायें। इस अवसर पर श्री बलराम सुमन पूर्व पार्षद व उपाध्यक्ष शहर भाजपा, ज्योतिबा सस्थान के कोषाध्यक्ष शिवनारायण सुमन, यूथ फोरम अध्यक्ष, बम्हानन्द सुमन, क्षैत्रपाल सुमन, एल.एन अजमेरा मेनेजर पर्ल्सग्रीन बारां, राजेन्द्र सुमन एडवोकेट, राकेश सुमन, लेखराज सुमन भॅवरगढ, बजमोहन सुमन, महावीर सुमन, मनीष ,पदम कुमार, ललित सुमन, कालूलाल भटवाडा, राजेन्द्र कुमार भटवाडा, ओमप्रकाश थामली, बाबूलाल थामली, सजंय इत्यादि कई लोग मोजूद थे ।

**जैसलमेर :** महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती बुधवार को माली-सैनी समाज ने धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर समाज के युवाओं ने रक्तदान किया साथ ही वाहन रैली भी निकाली। गड़सीसर चौराहा से निकाली गई वाहन रैली को पूर्व जिला प्रमुख रेणुका भाटी तथा यूआईटी अध्यक्ष उम्मेदसिंह तंवर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गड़सीसर चौराहा से प्रारंभ होकर रैली हनुमान चौराहा

होते हुए जिला माली-सैनी समाज विकास संस्थान के भवन पहुंची।

इस अवसर पर ज्यातिबा फुले समिति के अध्यक्ष मेघराज परिहार एवं समाज के अध्यक्ष प्रेमराज पंवार उपस्थित थे। समाज के भवन में आयोजित गोष्ठी में सर्वप्रथम समाज के लोगों ने फूले के चित्र पर माल्यार्पण किया। पूर्व सरपंच देवकाराम माली ने महात्मा के जीवन का परिचय दिया। साथ ही समाज की एकता को बनाए रखने के बात कही। समाज के अध्यक्ष प्रेमराज ने सभी लोगों से समाज के कार्यों में सहयोग देने की बात कही। ज्योतिबा फुले जागृति मंच के अध्यक्ष मेघराज परिहार ने कहा कि युवाओं के सहयोग से समाज निरंतर प्रगति करेगा। उन्होंने समाज के कार्यों में युवाओं से आगे आने को कहा। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा के आदर्शों पर चल कर ही समाज प्रगति कर सकता है। सरपंच भोजराज ने समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। इस अवसर पर मूलचंद सोलंकी, मूलचंद परिहार, देवीलाल सोलंकी, किशोरसिंह परिहार, चुतरराम, जेठमल परिहार, ठाकुरदास भाटी, जीवनलाल सोलंकी आदि उपस्थित थे।

**रक्तदान किया**

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर माली-सैनी समाज के युवाओं द्वारा मेघराज परिहार के नेतृत्व में रक्तदान किया गया। सुनिल भाटी, रावताराम, अचलाराम, मूलचंद सोलंकी, दीनदयाल परिहार, प्रेम किशोर सोलंकी, जगदीश सोलंकी, विजयसिंह परिहार, दीनदयाल कच्छवाह ने जवाहिर चिकित्सालय में रक्तदान किया।

**पोकरण (आंचलिक)** स्थाईनाथ धूणे में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती बुधवार हर्षोल्लास के साथ मनाई। जयंती समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि छोटेश्वरी आईदान माली, समारोह की कार्यक्रम की अध्यक्षता हंसराज सोलंकी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद खेताराम माली, मोतीलाल पंवार, आसूलाल सोलंकी, भू-अभिलेख निरीक्षक आईदान पंवार उपस्थित थे। महात्मा ज्योतिबा फूले की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि छोटेश्वरी आईदान माली ने ज्योतिबा फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला। भू-अभिलेख निरीक्षक आईदान पंवार ने फुले के सामाजिक कार्यों व बालिका के प्रति किए गए प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फुले पशुपालन, खेती, सिंचाई बारे में अच्छे जानकार थे। उन्होंने गरीबों के बच्चों की शिक्षा पर बहुत जोर दिया। इस अवसर पर कमल भाटी, कैलाश मिस्त्री, अखेराज माली, कैलाश पंवार, नेमीचंद सोलंकी, सत्यनारायण, घनश्याम सोलंकी, डॉ. तरूण पंवार, मोहन देवड़ा, तेजमाल सांखला, दुलीचंद सोलंकी, अमृतलाल टॉक, राजेन्द्र पंवार, दिनेश कुमार, ओंकारमल सोलंकी, दीपक गहलोत, कंवरलाल माली, कन्हैयालाल माली, भूरसा माली, श्यामलाल पंवार, जानकालाल, भंवरलाल टॉक, रावल पंवार सहित अनेक लोगों ने विचार व्यक्ति किए।

### वाहन रैली निकाली

माली विकास संस्थान के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फूले के जयंती के अवसर पर माली समाज के लोगों द्वारा वाहन रैली का आयोजन किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष छोटेश्वरी ने हरी झण्डी दिखाकर वाहन रैली को रवाना किया। इस अवसर पर अध्यक्ष हंसराज सोलंकी ने बताया कि वाहन रैली स्थाईनाथ से आशापुरा रोड, आईटीआई केन्द्र, उपअधीक्षक कार्यालय, फलसूंड रोड, अस्पताल रोड, जयनारायण सर्किल, गांधी चौक होते हुए सालमसागर तालाब, चामुंडा माता मंदिर होते हुए स्थाईनाथ धूणे में संपन्न हुई। सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित होकर वाहन रैली निकाली। रैली के अवसर पर दामोदर माली, लाभचंद, श्याम माली, कंवरलाल माली, पन्नालाल सोलंकी, नेमीचंद, जेठमल गहलोत, रूपाराम माली, पप्पूलाल, कैलाश माली, प्रकाश सोलंकी, सुमेरकुमार, अम्बालाल, रमणलाल माली, देऊलाल सहित अनेक लोग शामिल थे।

**जोधपुर।** आज से 185 वर्ष पूर्व जन्म से लेकर तत्कालीन विषम सामाजिक बुराईयों जैसे छुआछुत जातिगत भेदभाव पिछडी जातियों के प्रति अस्समान की भावना जैसी इन सभी सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन, नारी शिक्षा को बढावा देने वाले तथा पिछडी जातियों में आत्मसम्मान व स्वाभिमान भरने जैसे सद्कार्यों को अपने जीवन का एक मात्र लक्ष्य बनाकर जीवन पर्यन्त संघर्ष करने वाले महान युगपुरूष महात्मा ज्योतिबा फूले की 186वीं जयंती पर जोधपुर में महात्मा ज्योतिबा फूले स्मारक पार्क महामन्दिर स्थित उनकी प्रतिमा पर अखिल भारतीय ज्योतिबा फूले समता परिषद जोधपुर की तरफ से माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताये गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

अखिल भारतीय महात्मा ज्योतिबा फूले समता परिषद के जोधपुर

जिलाध्यक्ष जयंत सांखला ने बताया कि इस अवसर पर माली संस्थान जोधपुर ज्योतिबा फूले जागृति मंच, सावित्री बाई फूले जागृति मंच, लॉयन्स क्लब सहित अनेक सामाजिक संगठनों, जन प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, युवाओं ने ज्योति बा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

जिनमें सांसद चन्द्रेश कुमारी, जेडीए अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र कच्छवाह, पूर्व महापौर राजेन्द्र कुमार गहलोत व ओमकुमारी गहलोत, जुगल काबरा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमचन्द सांखला, नगर निगम मे प्रतिपक्ष नेता गणेश बिजाणी, पार्षद मयंक देवडा, अचलसिंह भाटी, श्रीमती रूपवति देवडा, अरविन्द परिहार, जगदीश देवडा विनोद सोनी, नन्दकिशोर परिहार, मनीष कच्छवाह सहित सैकडों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## विशाल शिविर में 176 युवाओं ने किया रक्तदान

जोधपुर। माली समाज द्वारा बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। सुबह दस बजे महामन्दिर स्थित ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद सुमेर स्कुल स्थित भाटी मेमोरियल हॉल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जेडीए चेयरमेन राजेनद्रसिंह सोलंकी, सांसद चन्द्रेश कुमारी, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व महापौर राजेन्द्र कुमार गहलोत व डॉ. ओमकमारी गहलोत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। वक्ताओं ने युवाओं से ज्योतिबा फूले के सिद्धांत पर चलकर समाज सेवा करने का आव्हान किया।

वहीं कागा रामबाग में स्थित अम्बेडकर भवन कैम्प कार्यालय में आजाद दलित फोज की ओर से बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती मनाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि विजय कंडारा ने बताया कि समारोह में घनश्याम वाल्मीकि, हनुमान, लादूराम, सुरेश, संजय, दिनेश आदि उपस्थित थे। इसी प्रकार अखिल भारतीय महात्मा ज्योतिबा फूले समता परिषद की ओर से बुधवार को

महात्मा ज्योतिबा फूले की 186 वीं जयंती बुधवार को मनाई गई।

इसके अलावा बागर चौक स्थित सावित्री बाई फूले महिला महाविद्यालय में बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फूले की 186वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। वैदिक कन्या पाठशाला समिति के व्यवस्थापक महिपालसिंह परिहार ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए फूले के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यकम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर माधोसिंह सांखला, प्रमोद कच्छवाह, प्राचार्य डॉ. शशि गहलोत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

# 94 जोड़े बने हमसफर

**लालसोट।** उपखण्ड मुख्यालय पर मंगलवार को यहां सभापति फार्म, रूकमणि पैलेसे व गणपति गार्डन के संयुक्त मैदान पर महात्मा ज्योतिबा फूले सेवा समिति के तत्वाधान में सैनी समाज के लोगों ने समाज सुधार की परम्परा का निर्वाह करते हुए चौथी बार भी सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित कर सामाजिक सुधार क्रांति का सूत्रपात किया वहीं कूरूतियों को जडमूल से खत्म करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से आए दूल्हे तथा दुल्हनों ने पण्डित गोपाल खण्डन के सानिध्य में विभिन्न पण्डितों द्वारा उच्चारित वेद मंत्रों के साथ अग्नि के सात फेरे लेकर एक साथ जीवन जीने का वाद किया तथा परिणय सूत्र की डोर में बंधकर समाज में व्याप्त कुरूतियों को दूर करने का संकल्प लिया। सैनी समाज के साथ साथ अन्य समाज के लोगों की भीड़, मण्डप प्रांगण के ईद गिर्द बनी रही। दूल्हा दुल्हनों को देखने की भीड़ लग गई। इस मौके पर दूल्हे व दुल्हानों ने वरमाला डालकर मंत्रोच्चार के साथ साथ फेरे लिए।

इससे पूर्व समारोह स्थल पर समाज के गणमान्य लोगों ने समिति के पदाधिकारियों के साथ शुभकामनाएं देते हुए सहकारिता एवं खाद्य मंत्री परसादी लाल मीणा, पूर्व मंत्री गोलमादेवी, भामाशाह प्रहलाद मीणा सहित डाग विकास क्षेत्र बोर्ड के अध्यक्ष सत्यनाायण सिंह, पूर्व प्रधान सावत्रीदेवी सैनी, छोटेलाल गहलोत, भागचन्द सैनी, लटूर सैनी सिकराय, मिठठन लाल सैनी भांडारेज सहित समाज के पांचूराम जमादार, वायस चेयरमेन हीरालाल सैनी, डॉ. रामफूल सैनी, जगन्नाथ माली, जगदीश प्रसाद माली, रामजीलाल रूपपुरा, मुकेश सैनी बगड़ी, फूलाराम सैनी, चंदालाल सैनी, जगदीश प्रसाद सैनी, भागचन्द सैनी, रामजीलाल बनास्या, रेवडमल ठेकेदार, सेठ गोकुलचंद सैनी, रामजीलाल सैनी, गोविन्दनारायण सैनी सहित अनेक पदाधिकारियों सहित अनेक जिप सदस्य राम प्रसाद मीणा, गणगौर हेला ख्याल संगीत दंगल समिति के अध्यक्ष शिवशंकर जोशी, अनिल बैनाडा सहित अनेक लोगों ने नव युगल दम्पतियों को आशीर्वाद दिया तथा आयोजकों को साधुवाद दिया। वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों के माध्यम से ही समाज में व्याप्त कुरूतियों को दूर कर रचनात्मक क्रांति पैदा की जा सकती है। सहकारिता मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक सुधार में अहम कदम है। इस तरह के आयोजनों से लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में बाल विवाह की कुरीति के खात्मे के लिए प्रभावी कार्य करने के लिए आगे आना चाहिए। सहकारिता मंत्री ने बालिका शिक्षा को बढावा देने के आव्हान करते हुए कहा कि शिक्षा के विस्तार से ही आर्थिक सामाजिक तरक्की के नये आयाम खड़े कर सकेगा।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह कानूनी अपराध है तथा सामाजिक अभिशाप। कुरीति को मिटाने के लिए आगे आ कर काम करे। बालिकाओं को पढाये तथा उच्च शिक्षा दिलायें। उन्होंने कहा कि माली समाज के लोगों को आवश्वस्त किया कि वे तथा डाक्टर दोनो माली समाज के काम के लिए हमेशा तैयार रहे तथा सहयेाग करेंगे।

उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से सामाजिक समरसता का माहौल बनता है तथा छोटे बड़े गरीब-अमीर के भेदभाव को मिटाता है। समिति को उन्होंने इस तरह के रचनात्मक कार्यो को आगे बढाने का भी आव्हान किया। उनहोंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए युवकों को आगे आकर नई दिशा देने की आवश्यकता है। शिक्षित व संगठित रहने से ही समाज को तरक्की की राह पर बढाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। चांदी की पायजेब, सिंगल बेड चौकी, सिलाई मशीन, दुल्हन ड्रेस, दूल्हे का सूट, पंखा तकिया, गद्दा कुर्सियां, स्टील बर्तन 11 एवं अन्य घरेलू सामान उपहार स्वरूप दिये गए।

## 59 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

**शिवाड।** मंगलवार को माली समाज की ओर से सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें 59 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। विवाह सम्मेलन में सुबह ग्यारह बजे दूल्हा दुल्हनों की निकासी निकाली गई तथा उन्हें कस्बे में स्थित घुश्मेश्वर मन्दिर में दर्शन के लिए ले जाया गया। इसके बाद प्रधान कुण्ड की बोली लगाई गई। पण्डित गिरजाशंकर शास्त्री ने वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न कराया। इस अवसर पर परिणय सूत्र में बंधे जोड़ों को कन्यादान के रूप में उपहार दिये गए। विवाह सम्मेलन में सैकड़ों लोग शामिल हुए। इससे पूर्व रात्रि को भक्ति संध्या का आयोजन हुआ।

भक्ति संध्या में स्थानीय कलाकारों ने भजन प्रस्तुत किये। सामूहिक विवाह सम्मेलन के अवसर पर आयेाजित आशीर्वाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेमप्रकाश शर्मा एवं लोकेन्द्रसिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने वर वधुओं को आशीर्वाद दिया। सम्मेलन समिति के संयोजक प्रहलाद सैनी ने बताया कि विवाह सम्मेलन में माली समाज सहित कस्बे के अन्य समाजों के लोगों ने बढ चढकर सहयोग दिया।

## जोधपुर में 8 जोड़े परिणय सूत्र में

जोधपुर। माली समाज आखा तीज पर माली समाज की ओर से सामूहिक विवाह आयोजित किया गया। इसके तहत सुमेर स्कुल परिसर स्थित माली धर्मशाला से सुबह 9.30 बजे 8 दुल्हों की सामूहिक बारात निकली। बैण्ड बाजों की धुन पर परम्परागत शेरवानी और मारवाडी साफा पहनें घोड़े पर सवार दूल्हे कतार से चल रहे थे। बारात के भाटी मेमोरियल हॉल पहुंचने पर वधु पक्ष ने इसका स्वागत किया व विवाह की रस्में शुरू हुई। दोपहर 1 2बजे से 2.30 बजे तक प्रीतिभोज हुआ।

इसके बाद जेडीए अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह सोलंकी, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत, संयोजक धीरेन्द्र देवड़ा सहित समाज के गणमान्य नागरिकों व माली संस्थान कुछ पदाधिकारियों की मौजूदगी में विदाई की रस्म हुई।

# माली संस्थान अध्यक्ष की कथनी व करनी में फर्क का खामियाजा समाज के आयोजनों पर क्यों ?

जोधपुर। आज हमारे माली सैनी समाज में चहुं और सामुहिक विवाहों के आयोजन हो रहे है जिसमें सैकड़ों जोड़े सामुहिक विवाह कर समाज में फिजुलखर्ची व दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को दूर कर समाज में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है।

**अभी प्राप्त जानकारी के अनुसार जयपुर आमेर में 18, उज्जेन में 98, सादड़ी में 50, बड़नगर में 15, डिग्गी में 25, जयपुर में 21, भरतपुर में 23, रायपुर(छतीसगढ़) में 61, बंडु गांव में 37, सवाई माधोपुर में 52, भीलवाड़ा में 31 समाज के नवयुगल सामुहिक विवाह में भाग ले रहे है। इसके अलावा नीमच, अजमेर, लालसोट, भरतपुर, करौली, लाडपुरा, बुंदी, झिण्डोली, झालरापाटन, डिग्गी, नेंनेवा, पिड़ावा इत्यादि जगहों पर दर्जनों जोड़े समाज के सामुहिक विवाह आयोजन में परिणय सूत्र में बंध रहे है।**

लेकिन यह अत्यन्त खेद की बाद है कि माली समाज जोधपुर की प्रमुख संस्थान जो कि पिछले कुछ वर्षो से सामुहिक विवाह का आयोजन कर रही है इसमें सामुहिक विवाह हेतु जोड़ों की संख्या बढ़ने की बजाय घट रही है। संस्थान वैसे भी साल में सामाजिक सुधारों के नाम पर एक ही आयोजन कर समाजसुधारों की बात करती है। इस बार के सामुहिक विवाह में पूरे देश में सबसे कम ..... ....जोड़े माली संस्थान, जोधपुर में हुए है। जो कि माली संस्थान की कार्यशैली का आईना बताती है। समाज के सभी वर्ग संस्थान के इस आयोजन से विमुख हो रहे है।

इसका प्रमुख कारण माली संस्थान अध्यक्ष स्वयं है जिनकी कथनी और करनी में बहुत अंतर है। जिसका उदाहरण है उनके स्वयं की पुत्री का विवाह जिसका आयोजन शहर की 3 सितारा होटल में भव्यता से किया गया। अपनी राजनैतिक महत्वकांक्षा के लिए माली संस्थान अध्यक्ष ने इस भव्य आयोजन में बड़ें बड़ें राजनैतिज्ञों, धन्नाढ्य वर्गो को आमंत्रित कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर समाज में आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया वह यह कि माली संस्थान अध्यक्ष स्वयं समाज से ऊपर है माली संस्थान अध्यक्ष स्वयं ऐसे आयोजन कर समाज में आदर्श विवाह की बात किस मुंह से करते है। यहीं नहीं अपनी पुत्री के विवाह के पश्चात समाज के लोगों के लिए स्वयं अध्यक्ष ने

**माली संस्थान जोधपुर के रिकार्ड, 8 जोड़ों का सामुहिक विवाह जिसमें 5 स्थानीय व 3 बाहर के जोड़ें**

अलग से महाभोज का आयोजन कर इसमें हजारों लोगों को आमंत्रित किया तथा उनसे उपहार व लिफाफे लेने में जरा भी संकोच नहीं किया। क्या यहीं आदर्श विवाह है ?

माली संस्थान अध्यक्ष सामाजिक समारोहों में फिजूलखर्ची व सामुहिक विवाह आयोजन की बड़ी बड़ी बातें बढ़ चढ़ कर करते है लेकिन स्वयं के परिवार में यह बात लागु नहीं करते है। इसका क्या अर्थ है ?

माली संस्थान अध्यक्ष को सीख लेनी चाहिए हमारे मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत से जिन्होंने अपने पुत्र-पुत्री का विवाह आयोजन बड़ी सादगी से किया। कहने को माली संस्थान अध्यक्ष श्री अशोक गहलोत के पद चिन्हों पर चलने की बात सामाजिक आयोजनों में करते है तथा श्री अशोक गहलोत के गुणगान भी करते है लेकिन यह केवल अपनी राजनैतिज्ञ कद को बढ़ानें के लिए ही है।

अभी हाल ही में समाजसेवी श्री जसवंत सिंह कच्छवाहा( अशोक गहलोत के भाणेज) ने अपने पुत्र के विवाह में एक नई परंपरा की शुरूआत करते हुए विवाह समारोह में रिश्तेदारों, समाजबंधुओं व मित्रों से किसी भी प्रकार का उपहार व लिफाफा न लेकर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने किसी प्रकार का दिखावा न करते हुए बिना किसी शोर शराबें के ऐसी परंपरा की शुरूआत की है जिसकी सभी वर्गो ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की है।

माली संस्थान व उनके पदाधिकारियों से भी हमारी व समाज के सभी वर्गो की यही अपेक्षा है कि वे सामजिक सुधार की केवल बातें नहीं करें बल्कि उनको मिटानें हेतु सच्चे मन से प्रयास करें तथा इसकी शुरूआत अपने परिवार, रिश्तेदारों व मित्रों से करें तभी सही मायनें में सामाजिक सुधार होगा व समाज के सभी वर्ग भी इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढ़ कर भाग लेगे।

माली संस्थान अध्यक्ष स्वयं की राजनैतिक महत्कांक्षा के लिए समाज की संस्थान को प्लेटफार्म न बना कर समाज सुधार से सच्चे मन से अपनी कथनी व करनी एक करें तभी समाज सुधार होगा। केवल भाषणों से समाज सुधार संभव नहीं है इसके लिए हम स्वयं अपने परिवार से शुरूआत करें तभी समाज के सभी वर्ग प्रेरणा ले हम से जुड़ेगे।

माली सैनी संदेश कटु सत्य को हमेशा समाज के सामने प्रस्तुत करने से झिझका नहीं है । हमें अनेकों धमकियां भी मिलती है लेकिन समाज हित में हम बिना किसी भय व दबाव के समाज की इस प्रमुख संस्थान की कार्यशैली का विरोध करने से कतई नहीं डरेगें। चाहे इसके लिए हम पर किसी भी प्रकार का आरोप प्रत्यारोप माली संस्थान अध्यक्ष व पदाधिकारी लगायें।

**हर कोई दुनिया बदलने की सोचना है, लेकिन कोई भी अपने आप को बदलने की नहीं सोचता**

# माली समाज के विवाह सम्मेलन में 52 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

**सवाई माधोपुर।** दिनांक 1 अप्रेल 2012 रविवार को सैनी नवयुवक संस्था के तत्वावधान में माली समाज द्वारा आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 52 बालिग जोडों का विवाह सम्मेलन कराया गया। कार्यक्रम में 01 अप्रेल को सुबह समाज की महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसके पश्चात मंच सम्बोधन का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सम्मानीय वैभव गहलोत, विशिष्ट अतिथि महात्मा ज्योतिबा फूले संस्थान के अध्यक्ष श्री मांगीलाल पंवार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैनी नवयुवक संस्था के अध्यक्ष कमलेश सैनी बारवाल ने की। शुभ बेला में पाणिग्रहण संस्कार सम्पपन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाज बंधुओं ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व 31 मार्च शनिवार को रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंर्तराष्ट्रीय कलाकार मुरारी भारती सैनी एवं उनकी टीम ने व म्यूजिकल ग्रुप ऑफ कोटा के जगदीश सैनी एवं उनकी टीम ने मनमोहक प्रस्तुतिंया दी। इस दिन डांग विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री सत्यनारायणसिंह सैनी ने कार्यक्रम में शिरकत की। संस्था अध्यक्ष कमलेश सैनी (बारवाल) ने विवाह सम्मेलन में पधारे हुए सभी समाज बंधुओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने सम्मेलन के सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा सम्मेलन में अच्छी व्यवस्था देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

बारवाल ने मुख्य अतिथि वैभव गहलोत को संस्था की ओर से बहुत बहुत धन्यवाद दिया। अध्यक्ष ने बताया कि समाज में यह पहला अवसर है कि जब एक युवा टीम द्वारा इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वैभव गहलोत ने संस्था को इस तरह के कार्यक्रम की सफलता पूर्वक संचालन करेन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए माननीय श्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री राजस्थान ने भी बधाई संदेश प्रेषित किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में सभी समाज बंधुओं के लिए संस्था की ओर से सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई।

# सामूहिक विवाह आज की महती आवश्यकता

## माली समाज पांच परगना सामूहिक विवाह आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न

शिवगंज। माली समाज पांच सरगना सामूहिक विवाह आयोजन समिति की साधारण बैठक शिवगंज माली जाति न्याति नोहरा में समिति अध्यक्ष शांतिलाल माली की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कुंडाल, आठ गांव, सतावीस, शिवगंज व बारी परगना के पंचों ने भाग लिया एवं सामूहिक विवाह के आयोजनों की तैयारियों को अंतिम रूप देने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में समिति के मंत्री सोहनलाल गहलोत ने कहा कि बदली परिस्थिति के साथ महंगाई बढने से सामूहिक विवाह के आयोजनों की महत्ती आवश्यकता हो गई है। इससे धन की बचत के साथ विवाह के सभी आयोजक अपने लाडले बेटे बेटियों की शादी बिना किसी हिचक उत्साह से कर सके। पूर्व व्याख्याता हजारीमल सोलंकी ने कहा कि समिति की ओर से सामूहिक विवाह का आयोजन पिछले साल की तरह काम्बेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में ही किया जायेगा। उन्होंने समाज के सभी पंचों को इससे पूर्ण सहयोग देने का आव्हान किया। बैठक में नगरपालिका पार्षद लक्ष्मण परिहार ने सामूहिक विवाह व बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए समाज के शिक्षित युवाओं को इसके लिए आगे आकर जागरूकता की अलख जगाने की अपील की।

माली समाज शिवगंज के पूर्व अध्यक्ष चुन्नीलाल परिहार ने समाज की एकता को खण्डित करने वाले व्यक्तियों से सावचेत रहने का आव्हान करते हुए समाज को एकसूत्र में बांधने एवं बालिका शिक्षा पर जोर दिया। बैठक में सुमेरपुर के भंवरलाल माली, नारायणलाल चौधरी, मोतीलाल माली, शिवगंज के बाबूलाल गहलोत, रघुनाथराम चौहान, कालूराम गहलोत, पूर्व पार्षद प्रकाश भाटी, भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष शंकरलाल परिहार, पोसालिया के हंसाराम माली, हिम्मतराम परमार, जैसाराम माली, जोयला के रमेशकुमार, खेजडिया के हीराराम माली, सलोदरिाय के बाबूलाल माली, गुलाबराम परिहार आदि कई समाज के पंच पटेलों ने भाग लिया। समिति के अध्यक्ष शांतिलाल माली ने सभी का आभार जताया।

# श्री कृष्ण रुकमणी मन्दिर में मूर्ति स्थापना

फतेहपुर (सीकर)। रघुनाथपुरा फतेहपुर में पुराने मांडेला मार्ग पर श्री घनश्याम जाट द्वारा अपने खेत में बनवाये गये नवीन मन्दिर में 25 मार्च 2012 चैत्र शुक्ल तृतीया को नवसंवत्सर के अवसर पर श्री श्रीकृष्ण भगवान एवं रूक्मिणी एवं गणेशजी की प्रतिमाओं की स्थापना की। आचार्य राम गोपाल शास्त्री प्राचार्य एवं आचार्य विनोद शास्त्री ने प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक यज्ञ करवाया। 11-15 बजे प्रतिमाओं की स्थापना सीकर से पधारे विद्वान आचार्य ओमप्रकाश अवस्थी ने करवाई। मूर्ति स्थापनोपरांत मन्दिर के द्वार का उद्घाटन पुष्प माला हटाकर वरिष्ठ पत्रकार श्री ओमप्रकाश सोनी ने किया। यज्ञ, प्रतिमा स्थापना एवं रात्रि में हुए रात्रि जागरण में व्यवस्था में मुख्य भूमिका जगदीश प्रसाद सैनी (गढवाल) की रही।

Personalty of the Month

**श्री अशोक गहलोत**
**मुख्यमंत्री राजस्थान**

**62 वें**
**जन्म दिवस**
**पर हार्दिक बधाई एवं**
**मंगलकामनाएं**

# आदर्श राजनीतिज्ञ एवं प्रशासक

'होनहार बिरवान के होत चीकने पपात' सूक्ति के अनुसार महापुरूषों के लक्षण प्रारम्भ से ही प्रकट होने लगते हैं। माली-सैनी समाज के लोकप्रिय नेता श्री अशोक गहलोत ऐसे अग्रणी नेताओं में गिने जाते है, जो प्रारम्भ से ही प्रतिभा के धनी रहे है। आपका जन्म 03.05.1951 को प्रसिद्ध जादूगर श्री लक्ष्मणसिंह गहलोत के घर महामन्दिर जोधपुर में हुआ। प्राथमिक से लेकर विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा आपने जोधपुर शह मे ही ग्रहण की। विद्यार्थी जीवन से ही नेतृत्व की अद्भूत क्षमता आपमें सर्वदा विद्यमान रही। अपने इसी सफल नेतृत्व गुण के कारण आप राजनीति की प्रत्येक सीढ़ी पर सफलता पूर्व चढ़ते गये और केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री राजस्थान के रूप में दो बार लोकप्रियता की चरम परिणति को प्राप्त हुए। जोधपुर विश्वविद्यालय से नियमित विज्ञान स्नातक (बीएससी) की उपाधि प्राप्त कर आप ने एम एम (अर्थशास्त्र) में की तथा बाद में आप विधि स्नातक की उपाधि से विभूषित हुए। विश्वविद्यालय के नियमित विद्यार्थी के रूप में आपने छात्रसंघ के विभिन्न पदों पर सफलतापूर्वक कार्य करते हुए युवा वर्ग का सफल नेतृत्व किया। इसी गुण ने आपको राजनीति में प्रवेश करवाया और फिर आपने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी संगठन (एनएसयूआई) के अध्यक्ष के रूप में 1974 से 1979 तक सफलता पूर्वक कार्य किया तथा आपको 1979 में जोधपुर शहर जिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। तब आपने सक्रिय राजनीति में पहली बार कदम रखा और प्रथम प्रयास में ही विजय श्री प्राप्त की। इस प्रकार सातवीं लोकसभा (1980) के चुनाव में कांग्रेस दल की ओर से प्रथम कार्य काल (1980-1984( में जोधपुर क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के सपने ही नहीं संजोये अपितु उन्हें साकार भी किया। आम जनता में आपकी उज्ज्वतम छवि, साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए आप द्वार उठाये गये सरहनीय कदम, क्षेत्र के विकास की ललक तथा नेतृत्व की अद्भूत क्षमता के कारण आप नौवी लोकसभा को छोडकर बारहवी लोकसभा तक निरन्त जोधपुर संसदीय क्षेत्र से सासंद के रूप में चुने जाते रहे। आपकी लोकप्रियता तथा बेदाग छवि का परिणाम थ कि आपके केन्द्रीय मन्त्रीमण्डल में भी स्थान मिला। मंत्रीमण्डल (केन्द्रीय) में 2.9.1982 से 04.02.1983 तक पर्यटन विभाग के उप मंत्री, 14.02.1983 से 07.02.1984 तक पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के उपमंत्री, 07.02.1982 से 04.02.1983 तक पुन: 12.11.1984 से 31.12.1984 तक तक खेल उपमंत्री, 31.12.1984 से 26.11.1985 तक पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री तथा 21.06.1991 से 18.06.1993 तक कपड़ा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पद को सुशोभित करते हुए आपने एक ओर जहाँ सम्बन्धित विभागों को नये आयाम प्रदान करते हुए सफलता पूर्वक कार्य किया वहीं दूसरी ओर जोधपुर संसदीय क्षेत्र का सफल प्रतिनिधित्व करते हुए स्वयं की एवम् क्षेत्र की विशिष्ट पहचान बनाई।

आपके अद्भुत व्यक्तित्व विशिष्ट गुण, योग्यताओं तथा क्षमताओं का पूरा लाभ राजस्थान की जनता को मिले इस दृष्टि से तत्कालीन सरकार में आपको गृह तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री का गुरूतर दायित्व सौपा गया जिसका आपने पूरी निष्ठा, निष्पक्षता तथा ईमानदारी से (जून, 1989 से जनवरी 1993 तक) निवार्ह किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (इंका) दल के कर्तव्य निष्ठ एवं विश्वसनीय सदस्य होने के कारण दल के राष्ट्र स्तरीय नेताओं ने आपको लम्बे समय तक दल के प्रदेशाध्यक्ष के उत्तरदायित्व पूर्ण पद से नवाजा। आपके प्रदेशाध्यक्ष के कार्यकाल (सितम्बर 1985

से जून 1989, दिसम्बर 1994 से जून 1997 तक तथा जून 1997 से अप्रेल 1999 तक)में दल की सदस्यता में भारी वृद्धि हुई तथा कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकरियों मे दल के प्रति समर्पित भावना एवं उत्साह से कार्य करने की होड सी दिखई देने लगी। यह नही इस अवधि में समपन्न विभिन्न स्तरीय चुनावों, उपचुनावों में भी दल को अद्वितीय तथा विस्मयकारी सफलताएँ मिली। इस प्रकार आपके कुशल नेतृत्व में दल ने भी प्रदेश भर में नया इतिहास रचा। कांग्रेस दल के सच्चे सैनिक तथा सेनापति के रूप में भी आपके कार्यकाल को अविस्मरणीय उपलब्धियों का काल कहा जा सकता है। दल के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हुए भी कभी कभार मिली विफलता से न तो स्वयं निराश हुए और न ही अपने साथियों को निराश होने दिया। इस प्रकार आपको एक सच्चा कर्मयोगी भी कहा जा सकता है।

राज्य एवं केन्द्र सरकार में मंत्री पद पर सफलतापूर्वक कार्य करेने के पश्चात् आपकी रानीतिक लोकप्रियता में उतरोतर वृद्धि होती गई जिसकी चरम परिणति तब हुई जब दिसम्बर 1998 में सम्पन्न 11वीं विधानसभा के चुनाव परिणाम सामने आये। श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस को भारी बहुमत मिला। आपको बहुमत प्राप्त विधायक दल का नेता चुन लिया गया और जब 1 दिसम्बर 1998 को आपने राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो समूचे मारवाड़ क्षेत्र और विशेष रूप से माली-सैनी समाज की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जोधपुर के तीसरे तथा माली सैनी समाज के प्रामि मुख्यमंत्री बनने पर सर्वत्र घी के दीये जलाये गये, मिठाइयाँ बांटी गई।

ऐसा ही अवसर दूसरी बार 13 दिसम्बर, 2008 को जब श्री अशोक गहलोत ने राजथ्सान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो सर्वत्र अपार उत्साह व हर्ष का वातावरण था। मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने के पश्चात् आपके प्रथम जोधपुर आगमन पर तो जैसे सूर्यनगरी ने मानों अपने प्रत्येक पथ पर पलक पाँवडे बिछा दिये। अपने प्रिय मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए सम्पूर्ण नगरी दुल्हन की तरह सज धज कर तैयार थी। भव्य शोभायात्रा सम्पूण शहर के मुख्य मार्गो से होकर निकाली गई। सर्वत्र पुष्पवृष्टि, माल्यार्पण, अबीर-गुलाल से स्वागत-अभिनंदन। लोगों मे अपार उत्साह उमंग, हर्ष का सागर सा उमड़ गया। प्रत्येक व्यक्ति ने अपनी प्रसन्नता को अपने-अपने तरीके से व्यक्त किया। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही श्री गहलोत के जीवन का चुनौती एवं उतरदायित्वूर्ण अध्याय का शुभारम्भ हुआ। आपने प्रत्येक चुनौती को अत्यंत ही धर्य एवं गम्भीरता से लिया।

घाटे के बजट तथा निरंतर दैवी आपदाओं का सामना करने वाले राजस्थान के मुख्यमंत्री का पद निश्चय ही कांटो का ताज था किंतु अपनी दूरदृष्टि, सूझबूझ एवं दृढ़ संकल्प के साथ आपने राजस्थान को स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी, सौहार्दपूर्ण एवं विकासशील प्रशासन प्रदान करने का वचन राजस्थान की जनता को दिया। वचन के अनुसार योजनाएं बनने लगी औ क्रियान्विति भी हुई और सुखद तथा संतोषजनक परिणाम सामने आने लगे। प्रकृत नेभी आपके धैर्य की परीक्षा लेना चाहिा। इन्द्रदेव रूठ गये और प्रदेश भर में अकाल की विभीषिका ने अपने पाँव पसारे। गहलोत सरकार ने अकाल की विभीषिका से निपटने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई और तदनुसार कार्य किया। अकाल से प्रभवित रलोगो रोजगार उपलब्ध करवाया गया। पशुओं केलिए चारे पानी की व्यवस्था कर उनके पलायन को रोका। किसी भी व्यक्ति या पशु को भूख से मरने नही दिया गया।

श्री गहलोत सरकार की नीतियों की सर्वत्र प्रशंसा हुई यही नहीं घाटे के बजट एवं वितीय संकट की समस्या के बावजूद मानीय श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में सरकार ने राज्य के चहुँमुखी विकास के लिए सर्वशिक्षा, चिकित्सा सुविधा, सूचना का अधिकार, सड़क व अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्य, असहाय व वृद्धावस्था पैंशन, वन-सम्पदा संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, भ्रष्टाचार उन्मूलन, विद्युत उत्पारदन में आत्म निर्भरता, नागरिक अधिकरों की सुरक्षा, महिला उत्पीडन व अत्याचार से मुक्ति, बालिका शिक्षा, पशुधन संरक्षण, कृषि सुविधाओं के विस्तार जैसे क्षेत्रों में सतत् एवं अथक प्रयत्न किये। आपकी सूझबूझ एवं सद्प्रयत्नों से साम्प्रदायिक सद्भावना में उठाये गये कदम तो अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय बन गये। आबू पर्वत पर सम्पन्न कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों की संगोष्ठी में गहलोत सरकार के कामकाज को सभी मुख्यमंत्रियों ने सराहा। राज्य की प्रगति रिपोर्ट ने सभी मुख्यमंत्रियों को दाँतों तले अंगुली दबाने के लिए विवश कर दिया।

आपने अपने राजनैतिक जीवन की बुलंदियों और सफलता के शिखर को उस समय छू लिया जब ''इंडिया टुडे द्वारा किये गये सर्वे में आपको सम्पूर्ण देश का नम्बर 1 मुख्यमंत्री'' घोषित किया गया। यह मात्र घोषणा ही नहीं बल्कि आपके सफल एवं संघर्ष पूर्ण राजनैतिक जीवन, व्यक्तिगत प्रभाव, सही वक्त पर सही फैसले करने की नीति, अद्भूत नेतृत्व क्षमता, बेदाग छवि, दूरदर्शिता के आधार पर राज्य के विकास के लिए उठाये गये कदम, सतत् सक्रिय व निष्पक्ष राजनीति का परिणाम था। आपके राजनैतिक जीवन की सफलता इस बात से भी आंकी जा सकती है की प्रतिपक्ष या कोई राजनैतिक विरोधी भी आपके उज्ज्वलतम दामन पर आज तक किसी प्रकार का दाग नहीं लगा सका। आपके नं. 1 मुख्यमंत्री घोषित किये जाने पर केवल माली समाज या जोधपुर ही नहीं बल्कि समूचा राजस्थान प्रदेश अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री पर नाज द्धगर्वऋ करने लगा। करेंगे भी क्यों नहीं ? वास्तव में गर्व करने योग्य जो हैं आप

अप्रतिम व्यक्तित्व के धनी, धैर्य के पारावार, उज्ज्वलता के प्रतीक, शांति व समृद्धि के अग्रदूत, धुन के पक्के, मारवाड़-रत्न, माली-सैनी समाज के सपूत श्री अशोक गहलोत का व्यक्तिगत एवं राजनैतिक भविष्य सर्वतोप्रकारेण सुखद, सम्पन्न, आशानुकूल तथा उज्ज्वलतम् है।

**साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रतीक, मानवता की मूर्ति सफलतम राजनेता श्री अशोक गहलोत राजस्थान प्रदेश का दूसरी बार सफलता पूर्वक प्रतिनिधित्व कर समाज एवं राजस्थान का गौरव बढ़ा रहे है।**

# न्याय और मानव अधिकार महात्मा फूले का लक्ष्य था

## 186वीं जंयति पर विशेष

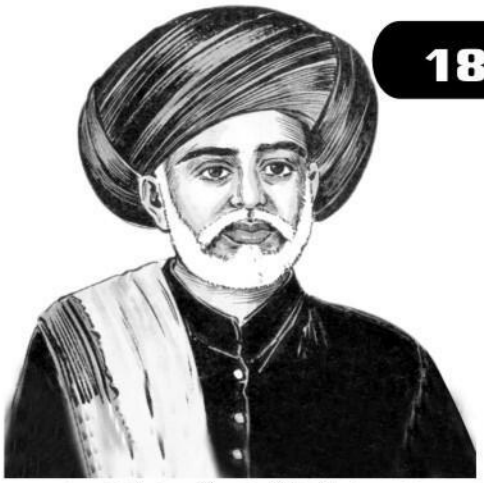

भारत की सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिराव फूले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को गोविन्दराव के घर विमना बाई की कोख से पूना शहर में फूलमाली परिवार में हुआ तथा 1828 में माता का देहावसान से विछोह हो गया पिता की मौसेरी बहन सुगना बाई क्षीरसागर ने पालन-पोषण किया। पंतोजी जी पाठशाला में मराठी शिक्षा प्रारंभ कर मिशनरी स्कूल में भर्ती कराया स्कूल किन्तु कट्टरपंथियों ने माली जाति का होने के कारण स्कूल से नाम कटवा दिया वे पिता के साथ बागबानी में हाथ बटान लगे, 14 वर्ष की आयु में सावित्रीबाई के साथ विवाह हो गया। ब्रिटिश सरकार की शिक्षा नीति 7 मार्च 1835 के आदेश के अनुसार उर्दू, फारसी शिक्षक गफ्फार बेग ने 1971 में उन्हें पुन: स्कूल में भर्ती करा दिया जहां अंग्रेजी शिक्षा में सर्वोच्च अंको के हुए उनके मन में तत्कालीन हिन्दू धर्म की ऊँच-नीच, जाति-पाति की विसंगतियां, अंधविश्वास, पाखण्ड, कुरीतियों को मानव विकास में बाधक माना तथा अमीर-गरीब की मानवकृत दीवारों को मिटाकर न्याय और मानवता के अधिकार सभी को दिलाने वाले उत्कृष्ट देशप्रेमी विचारों को आगे बढ़ाने लगे।

उन्होंने हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई धर्म धर्म ग्रन्थों का गहरा अध्ययन किया साथ ही गौतम बुद्ध, तीर्थकर रामानुज, रामानंद बसवेश्वर, गुरूनानक, कबीर दादु की जीवनियां तथा उनकी पुस्तकों का अध्ययन किया वहीं गीता, वेद पुराण, उपनिषद, तुकाराम की गाथा, ज्ञानेश्वरी भागवत धर्म कथा के साथ ही प्रो. विल्सन जेन्स आदि की हिन्दू धर्म पर अंग्रेजी में लिखी कृतियां पढ़ी, शिवाजी महाराज व जॉर्ज वाशिंगटन की जीवनी पढ़ने लहुजी उस्ताद से भाला, बरछी तीर कमान शस्त्रो की विद्या सीखी।

फूले ने पाया कि बहुजन समाज अज्ञान की घोर गर्त में खेती मजदूरी सेवा करने वाला शुद्र तथा पिछड़ा तबका कड़ा परिश्रम कर खून-पसीना बहाकर भरपेट भोजन नहीं, पहनने के वस्त्रों की कमी, साधारण, घर नहीं, पढ़ने को शिक्षा

### महात्मा ज्योतिराव फूले के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएँ

| घटना | वर्ष |
|---|---|
| जन्म 11 अप्रैल | 1827 |
| पंतोजी (पुराने ब्राह्मण अध्यापक) की पाठशाला में मराठी शिक्षा | 1834-38 |
| सावित्रीबाई से विवाह | 1840 |
| मिशनरी स्कूल में माध्यमिक (अंग्रेजी) शिक्षा | 1841-47 |
| लहुजीवुवा से व्याया का प्रशिक्षण और क्रान्तिकारी विचारों की प्रेरणा | 1847 |
| टॉमस पेन के 'राइट्स ऑफ मैन' का अध्ययन | 1847 |
| ब्राह्मणों के विवाह की बरात में हुई अपमानजनक घटना | 1848 |
| शूद्रातिशूद्रों के लिए कन्या पाठशाला की स्थापना | 1848 |
| अतिशूद्रों को शिक्षादान का व्रत लेने के कारण पत्नी के साथ गृह त्याग | 1849 |
| मराठी प्रकाशनों को अनुदान देने की मांग करने वाली सुधारकों की सभा को संरक्षण | 1849 |
| चिपकू करवाड़ा और रास्ता पेठ, पुणे में कन्याशाला की स्थापना | 1851 |
| 'पूना लाइब्रेरी' की स्थापना | 1852 |
| कन्याशाला की अनुदान प्राप्ति हेतु राज्यपाल को पत्र 5 फरवरी | 1852 |
| में शिक्षा कार्य के लिए सम्मान 16नवम्बर | 1852 |
| 3000 लोगों की उपस्थिति में कन्याशालाओं की दूसरी वार्षिक परीक्षा | 12 फर. 1853 |
| 'द सोसायटी फॉर प्रमोटिंग द एज्यूकेशन आफ महार | |
| मांगज् एटसेट्राज नामक संस्था की स्थापना 1 | 8 सित. 1853 |
| स्काटिश मिशनरियों के सकूल में अंशकालिक अध्यापक की नौकरी | 1854 |
| शिक्षा का महत्व बताने वाले 'तृतीय रत्न' नाटक का लेखन | 1855 |
| रात्रिशाला की स्थापना | 1855 |
| हत्यारों द्वारा महात्मा फूले की हत्या का प्रयास | 1856 |
| अछूत छात्राओं की परीक्षा | 2 फर.1856 |
| पाठशाला के व्यवस्थापक मंडल से निवृति | 1858 |
| विधवा-पुनर्विवाह में सहायता | 1860 |
| बालहत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना | 1863 |
| तुकाराम तात्या पड़वलकृत 'जातिभेद विवेकसार' ग्रंथ का प्रकाशन | 1865 |
| पिता गोविन्दराव की मृत्यु | 1868 |
| घर का कुआं अछूतों के लिए खोला | 1868 |
| 'छत्रपति राजा शिवाजी भेसारा का पंवाड़ा' की रचना | जून 1869 |
| 'शिक्षा विभाग के ब्राह्मण पंतोज' की रचना | जून 1869 |
| 'ब्राह्मणों की चालाकी' पुस्तक का लेखन | 1896 |
| 'भगवान परशुराम को नोटिस | 13 अग. 1872 |
| 'गुलामी' पुस्तक का लेखन | 1 जून 1873 |
| सत्यशोधक समाज की स्थापना | 24 सित. 1873 |

नहीं, बीमारी में इलाज करने को धन नहीं, मानों मानव का बहुत बड़ा तबका जीने मरने के लिए ही धरती पर जन्म लिया हो, ब्राह्मणवादी व्यवस्था से जोतीराव का अंतकरण सिहर उठा वे छूआ-छूत ऊंच-नीच की व्यवस्था को हिन्दू धर्म की तुलना में ईसाई धर्म की मनुष्यता, सेवाभाव, समानता, निस्वार्थता को मानव उत्थान में मानते थे। समानता लाने हेतु शासन हेतु यदि शिक्षित नहीं करे तो वे स्वयं शिक्षिज्ञत करने की बगावत की लहर उनके मन में दौड़ने लगी और सड़ी-गली प्रथाओं, निषिद्ध परंपराओं को ताक में रखकर मानव कल्याण और न्याय दिलाने की कमर कसने की ठान ली। समाज में नारी शिक्षा धर्म विरूद्ध मानी जाती थी, उन्होंने सर्वप्रथम अपनी अशिक्षित पत्नी सावित्रीबाई फूले को शिक्षित/प्रशिक्षित किया और 1848 में पहली महिला शिक्षा/प्रशिक्षित किया और 1848 में पहली महिला शिक्षा पाठशाला प्रारंभ कराई। पुरातनवादियों ने हल्ला मचाया कि एक हिन्दू नारी शिक्षक बनकर समाज व धर्म से विद्रोह कैसे कर सकती है वे सावित्री बाई जब पाठशाला पढ़ाने जाती थी तो उन पर मिट्टी, धूल, गोबर, पत्थर फेंक कर ताने कसते थे उनके पिता ने दोनां को पुरातनवासियों के दबाव में आकर घर से निकाल दिया किन्तु 1849 में पुन: जूनापेठ पूना में स्कूल खोला। धीरे-धीरे 18 स्कूल खोलकर नारी शिक्षा का सोपान प्रारंभ किया जिसे समाचार पत्रों में संपादकीय छपे कट्टरपंथियों ने निराशा फैली सरकार की ओर से मेजर केंडी ने फूले विद्यालय की प्रशंसा कर शाल प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। जोतीराव ने शिक्षा के साथ ही सतीप्रथा तथा विधवा विवाह पर क्रांतिकारी कदम उठाकर विधवाओं के पुर्नविवाह के अनेक आश्रम खोले। 1883 में प्रतीत व पथभ्रष्ट हुई अभागिनों "बाल हत्या प्रतिबंधक गृह" खोले ब्राह्मणी विधवा काशीबाई की प्रसूति अपने घर करवाई उसके बेटे यशवंत को गोद लिया। आर्य समाज ने श्री फूले के आदर्शो से प्रेरणा ली। ब्रिटिश सरकार ने 1872 में नेटिव एक्ट बनाया और सती प्रथा रूकी।

फूले ने न्याय तथा मानव कल्याण के लिए 1 कन्याशाला, 2 मराठी प्रकाशकों के लिए अनुदान, 3 पूना लाईब्रेरी की स्थापना 4 कन्याशाला के लिए अनुदान हेतु राज्यपाल को पत्र, 5 दी सोसायटी फॉर प्रमोटिंग व एज्यूकेशन ऑफ महार मांगज एटसेट्राज नामक संस्था की स्थापना, 6 रात्रि शाला की स्थापना, 7 अछूत छात्राओं की परीक्षा, 8 पाठशालाओं की स्थापना, 9 विधवा पुर्नविवाह में सहायता, 10 बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना, 11 घर का कुआं अछूतों के लिए खोलना, 12 सत्यशोधक समाज की स्थापना 13 स्वामी दयानंद सरस्वती की शोभायात्रा 14 सत्यशोधक समाज की रिपोर्ट का प्रकाशन, 15 पुण्ये नगर पालिका सदस्य के रूप में नागरिक अधिकारों को दिलाना, 16 शराब दुकानों के लाइसेंस बंद कराने का प्रयास, 17 हंटर आयोग को निवदेन, 18 लोकमान्य बालगंगाधर तिलक तथा ओरकर की जेल से छूटने पर सम्मान, 19 बाल विवाह और विधवा विवाह पर निवेदन, 20 मराठी साहित्य सम्मेलन में भाग लेने से इंकार, 21 सत्यशोधक समाज का झण्डा जुलूस निकालना, 22 बिना पुरोहित विवाह का जुन्नर का मुकदमा जीतना, 23 मामा परमानंद को पत्र, 24 ड्यूक ऑफ कनाट का सम्मान, 25 फिजूल खर्चियों पर पाबंदी, 26 सब्जी दुकानों का किराया कम कराना, 27 नगर पालिका मेम्बर के रूप में पानी, बिजली, सफाई की पिछड़ी और निम्न जाति की बस्तियों में व्यवस्था, 28 लिपिक की भर्तियों से रोजगार बढ़ावा, 29 पशु चिकित्सा, 30 प्राईमरी पाठशाला में छात्रवृत्ति बढ़ाने, 31 लोकहित के कामों में प्राथमिकता, 32 किसानों, दस्तकारों, शिल्पकारों के सामंतों, जमींदारों, बिचौलियों से बचाकर न्याय दिलाने, 33 गरीब मराठों को संगठित करने नेतृत्व करने, 34 नव पूंजीवाद से देशी पूंजीपतियों के शोषण से मजदूरों को संगठित कर नेतृत्व करने, 35 सामाजिक और राजनैतिक परिवर्तन करने, 36 भ्रष्ट व्यवस्थ समाप्त कने, 37 किसानो के विद्रोह को सक्रिय सहयोग व नैतिक समर्थन, 38 बम्बई के कपड़ा मिल में बाल एवं महिला मजदूरों से 14 घंटे के काम को कराने, मजदूरों में सामजिक एवं आर्थिक आधारों की लड़ाई लड़ने की बीज मंत्र फूंक कर एशिया के सर्वहार आंदोलन को दिशा देने, 39 1857 में नाइयों को संगठित कर और हड़ताल कर हजामत बनाने के दाम बढ़वाये, 40 किसानों को साहूकारी कर्ज से मुक्ति का संघर्ष, 41 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की अगुवाई कर सत्यशोधक समाज के बैनर पर सर्वश्री रमैया व्यकैया, ऐयाचारू, महादेव गोविन्द रानाडे को साथ लेकर पूना में बैलगाड़ी, ढोल-ढमाकों का विशाल जुलूस कर अचंभित किया। 42 1885 में जब कांग्रेस की स्थापना हुई उनके विचार थे। (अ) ब्रिटिश शासन भारत में स्थायी रूप से नहीं रह सकता। (ब) कांग्रेस जितने संघर्षो और कठिनाईयों से गुजरेगी उसका स्वरूप क्रांतिकारी होता जाएगा और सोये भारत को एकता के सूत्र में पिरोकर आगे बढेगी।, 43 वर्षो का पानी नदियों में बहकर समुद्र में मिल जाता है इस पानी को जगह-जगह रोक कर बांध बनाकर असिंचित भूमि को सिंचाई योग्य बनाकर अधिक उपज लेकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाना। 44 जातिवादी व्यवस्था को तोड़कर सबके लिए समान अवसर निर्माण कराना, 45 सत्यशोधक समाज की रीति से जन्म से लेकर मृत्यु तक के संस्कार को पुरोहित विहीन विधि से परमपिता को साक्षी मानकर करने की रीति स्थापित की। आदि अनेक प्रेरणादायी कार्य किए इन्हीं के कारण उन्हें "महात्मा" की उपाधि सार्वजनिक रूप से प्राप्त हुई। उन्होंने अनेक ग्रंथ रचना की जिनमें तृतीय रत्न, पोवाड़ा पति राजा शिवाजी का, ब्राह्मणों की चालाकी, गुलामगिरी, किसान का कोड़ा, सत्सारन, चेतावनी अछूतों की, कैफियत, सार्वजनिक सत्यधर्म के साथ ही अनेक लेख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। उन्होंने 10 जुलाई 1887 को 'वसीयतनामा' लिखा। वे सामाजिक न्याय एवं मानवता की रक्षा, सबको शिक्षित होकर की प्रेरणा देते ही नहीं थे बल्कि स्वयं कार्यरूप में परिणीत करते भी थे। उन्होंने 28 नवम्बर 1890 को अंतिम सांस लेकर इहलीला पूरी की। भारत के इतिहास में अभी तक सामाजिक रूप से महात्मा की उपाधि पाने वाले प्रथम "महात्मा बुद्ध" द्वितीय "महात्मा जोतीराव फूले" तृतीय 'महात्मा गांधी ही हुए है।

| | |
|---|---|
| स्वामी दयानन्द सरस्वती की शोभा यात्रा | 5 सित. 1875 |
| सत्यशोधक समाज की रिपोर्ट का प्रकाशन | 24 सित. 1877 |
| सत्यशोधक समाज की रिपोर्ट का प्रकाशन | 20 मार्च 1877 |
| पुणे नगरपालिका की सदस्यता | 1876-82 |
| शराब की दुकानों का लाइसेंस न दियो जाने के लिए प्रयास | 18 जुलाई 1880 |
| दलितों की शिक्षा के प्रति उदासीनता पर हंटर आयोग को निवेदन | 19 अक्टू. 1882 |
| किसानों की अवस्था पर 'किसान का कोड़ा' नामक पुस्तक का लेखन | 18 जुलाई 1883 |
| बाल विवाह और विधवा विावह की स्थिति का निवेदन | 4 दिस. 1884 |
| मराठी साहित्य सम्मेलन में उपस्थित रहने से इन्कार | 11 जून 1885 |
| सत्सार - 1 पुस्तक की रचना | 13 जून 1885 |
| सत्सार - 2 पुस्तक की रचना | अक्टू. 1885 |
| सत्यशोधक समाज का झंडा जुलूस | 24 सितम्. 1885 |
| 'इशारा' पुस्तक की रचना | 1 अक्टू. 1885 |
| बिना पुरोहित विवाह का जुन्नर का मुकदमा जीता | 29 मार्च 1886 |
| मामा परमानन्द को पत्र | 2 जून 1886 |
| 'सत्यशोधक समाज पूजाविधि' ग्रन्थ का प्रकाशन | जून 1887 |
| वसीयतनामा लिखा | 10 जुलाई 1887 |
| वसीयतनामा पंजीकरण | 18 जुलाई 1887 |
| ड्यूक ऑफ कनाअ का सम्मान और फूले जी द्वारा किया हुआ पर्दाफाश | 2 मार्च 1887 |
| जनता द्वारा सम्मान और महात्मा की उपाधि प्रदान | 11 मई 1888 |
| पुत्र यशवन्त का विवाह | 4 फर. 1889 |
| 'सार्वजनिक सत्यधर्म पुस्तक' (मृत्युउपरांत 1891 में प्रकाशित पुस्तक) का लेखन | 1 अप्रेल 1889 |
| मृत्यु | 28 नव. 1890 |

# उच्च स्तरीय सम्मेलन का आयोजन सुजानगढ़ (चूरू)

महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान की सुजानगढ़ शाखा द्वारा सुजलां चल स्तरीय सैनी समाज सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 15 अप्रेल 2012 को श्री सूर्य भगवान मन्दिर के परिसर में किया गया। विविध प्रकार के आयोजनों से युक्त यह समारोह शोर्ट एण्ड स्वीट कहा जा सकता है। शेखावाटी के अनेक भामाशाह, विद्वान एवं सामाजिक कार्यकर्ता इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में आमन्तित्र थे। विद्वानों में श्री बैजनाथ पंवार, आचार्य राम गोपाल शास्त्री फतेहपुर तथा श्री डी.के. सैनी, वीरेन्द्र भाटी मंगल लाडनू, भामाशाहों में श्री रावतमल कम्या, सरदारशहर श्री राधेश्याम मावर राजदेसलसर, राजनेताओं में श्री आशाराम सैनी एडवोकेट चूरू, सामाजिक कार्यकर्ताओं में श्री मदनलाल कम्मा रतनगढ, श्रीमती मोनिका कम्मा सरदारशहर, पत्रकार श्री ओमप्रकाश माली सरदार शहर, प्रेम प्रकाश आर्य लाडनू आदि उपस्थित थे।

श्री रावतमल कम्मा की अध्यक्षता में हुए समारोह के मुख्य अतिथि थे राजस्थान डांग क्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण सिंह सैनी आईएएस। इस अवसर पर सुजानगढ तहसील की सैनी समाज डायरेक्ट्री सैनी दर्पण का प्रकाशन किया गया। इसका विमोचन हिन्दी एवं राजस्थानी भाषाओं के प्रसिद्ध साहित्यकार श्री बैजनाथ पंवार चूरू एवं श्री सत्यनारायण सिंह आईएएस के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

महात्मा फूले एवं मां शारदा के चित्रों को माल्यार्पण एवं उनके समक्ष दीप अगरबत्ती प्रज्जवल के पश्चात कार्यक्रम का शुभारम्भ सुप्रसिद्ध सुसंस्कृतज्ञ विद्वान आचार्यराम गोपाल शास्त्री, प्राचार्य के समाज में नव जागरण लाने वाली ओजस्वी कविताओं जमाने जागरण रो आयो, तथा गीत चेतना के गायेंगे, आज तुम्हारी बस्ती में, से हुआ। श्री आशाराम सैनी एडवोकेट ने शिक्षा पर सर्वाधिक जोर दिया। श्री बैजनाथ पंवार ने कहा कि बेटियों को अधिक से अधिक शिक्षा दिलाकर उन्हें उच्च पदों पर प्रतिष्ठित करावें। समारोह के मुख्य वक्ता राज्यमंत्री स्तर की सुविधा प्राप्त डॉ. सत्यनारायण सिंह ने आव्हान किया कि समाज को इतना मजबूत एवं संगठित एवं सशक्त बनाओ कि आपको अधिकारों की भीख नहीं मांगनी पडी सरकार आपके समक्ष झुके। श्री वीरेन्द्र भाटी मंगल ने कहा कि सामाजिक रीति रिवाजों पर खर्चे कर कम कर अपने संसाधनों को बच्चों की उच्च शिक्षा पर खर्च करें। श्री अचलसिंह भाटी जोधपुर में समाज को राजनैतिक दृष्टि से मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सैनी समाज के संख्या बल को देखते हुए इसके कम से कम 20 विधायक एवं 3 या 4 मंत्री होने चाहिए। छापर के युवक तंवर ने सुझाव दिया कि माली समाज के लोग जब आपस में मिले तो जय ज्योतिबा अथवा जय फूले से अभिवादन करें जिससे परस्पर पहचान हो सके।

सुजलांचल क्षेत्र के शिक्षा खेलकूद आदि क्षेत्रों में विशिष्ट प्रतिभा दिखाने वाले छात्र छात्राओं को उल्लेखनीय समाज सेवा करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, भामाशाहों तथा वयोवृद्ध महिला पुरूषों को सम्मानित किया गया। समारोह में महिलाओं एवं छात्रों ने भी अच्छी संख्या में भाग लिया।

डॉ. कन्हैयालाल मारोठिया के सबल नेतृत्व में श्री बाबूलला कारोडिया, श्री मूलचन्द सांखला, श्री विक्रमसिंह चोबदार, श्री छगनलाल सांखला, चन्द्रप्रकाश मारोठिया महावीर प्रसाद सांखला, राजकुमार बागडी, कन्हैयालाल तूनवाल, ओमप्रकाश खडोलिया, रामाकिशन तंवर छापर आदि कई दर्जन सामाजिक कार्यकर्ताओं की सशक्त टीम का उत्साह एवं परिश्रम सराहनीय था।

135 प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को दिये गए पुरस्कारों का सम्पूर्ण व्यय भामाशाह श्री बाबूलाल कारोडिया, निदेशक परमानन्द त्रिलोकचन्द बीएड कॉलेज, सुजानगढ ने वहन किया।

समारोह में सैनी समाज के सम्पादकों आचार्य राम गोपाल शास्त्री श्री वीरेन्द्र भाटी मंगल लाडनू तथा श्री ओमप्रकाश माली सरदारप ?शहर को तथा विद्वानों श्री बैजनाथ पंवार तथा श्री डीके सैनी चूरू को शॉल, माला एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

## अरूणा सैनी (आरएएस) बनी जेसीटीओ

बगड़ (झुंझुंनू) आशावाली ढाणी निवासी श्रीमती अरूणा सैनी दो बार आरएएस में सफल रही है। सन 2008 में बैच में आरएएस में सफल रहकर आप नवलगढ़ में खाद्य विभाग में इनफोर्समेन्ट ऑफिसर बनी। इससे पूर्व आप राजकीय सेवा में वरिष्ठ अध्यापिका थी। सन 2010 के बैच में आप दुबारा आरएएस में सफल रहकर अब तक भवन, झालाना डूंगरी, जयपुर में जूनियर कॉमर्शियल टेक्स ऑफिसर बन गई है।

अरूणा के पति रोहताश कुमार सेनी जयपुर की एक कम्पनी में इंजीयिर है। अरूणा के पिताजी टाकरिया (चौमूं) निवासी श्री गौरीशंकर सैनी ग्रामीण बैंक में शखा प्रबंधक है।

# माली (सैनी) युवा संगठन बैगलोर की नई कार्यकारिणी का गठन

बैगलोर। माली (सैनी) युवा संगठन की बैगलोर की नई कार्यकारिणी का गठन शेषादीपुरम स्थित होटल सिट्रेन में मतदान द्वारा किया गया। जिसमें श्री माणक त्रिवेणी चौहान अध्यक्ष चुनें गये।

इसी प्रकार मंत्री पद पर श्री रमेश कच्छवाहा, उपाध्यक्ष पद पर श्री रामलाल सोलंकी, श्री उत्तम पंवार कोषाध्यक्ष, श्री पवन भाटी सह मंत्री, श्री भुपेन्द्र बागड़ी सह कोषाध्यक्ष चुने गये। श्री अमित बागड़ी संगठन के संयोजक मनोनीत किये गये। संगठन के मुख्य सलाहकार के रूप में श्री बस्तीमल चौहान, सांस्कृति मंत्री श्री महेश सुनील चौहान, कानून मंत्री श्री पंवन चौहान निर्वाचित घोषित किये गये। चुनाव अधिकारी श्री पंकज चौहान रूपेश सोलंकी एवं पर्यवेक्षक श्री राकेश रामचंद्रा की देख रेख में निर्वाचन पद्वति से निष्पक्ष चुनाव करा नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। माली सैनी संदेश नव निर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई प्रेषित करते हुए सभी से समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने हेतु नव कार्यकारिणी कार्य करेगी साथ ही सामाजिक एकता एवं संगठन को मजबूत बनायेगी।

## माली (सैनी) युवा संगठन, बैंगलोर

### नव निर्वाचित कार्यकारिणी 2012–13

माणक (त्रिवेणी) चौहान
अध्यक्ष

रामलाल सोलंकी
उपाध्यक्ष

रमेश कच्छवाह
मंत्री

पवन भाटी
सह मंत्री

अमित बागड़ी
संयोजक

उत्तम पंवार
कोषाध्यक्ष

भूपेन्द्र बागड़ी
सह कोषाध्यक्ष

बस्तीमल चौहान
मुख्य सलाहकार

महेश (सुनील) चौहान
सांस्कृतिक मंत्री

पवन चौहान
कानून मंत्री

# श्री रामजी महाजन पुरस्कार श्री आढतिया को

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज के अध्यक्ष श्री लीलाधर आढतीया को उत्कृष्ट समाज सेवा के लिए मध्यप्रदेश शासन का स्थापित पुरस्कार श्री रामजी महाराज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए बताया कि गजानन्द रामी ने बताया कि दिनांक 18.3.2012 रविवार प्रात: 11.00 बजे भोपाल स्थित रविन्द्रभवन परिसर में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शॉल, श्रीफल, सम्मान पत्र के साथ ही 1 लाख रूपये का नकद पुरस्कार श्री आढतिया को दिया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री व माली समाज में एकता व जागृति की ज्योति जलाने वाले स्व. रामजी महाजन के नाम से पिछडा वर्ग सेवा सम्मान प्रतिवर्ष मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिया जा रहा हैं दिनांक 18.3.2012 के दिन सैकड़ों की संख्या में माली समाज के लोग भोपाल रवाना हुए। श्री रामी ने बताया कि जैसे ही समाज अध्यक्ष को यह पुरस्कार मिलेगा यह खबर समाजजनों को लगी जिससे समाज में हर्ष की लहर दौडी व समाजजनों ने शासन व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

## म.प्र. रामजी महाजन, पिछड़ा वर्ग सेवा राज्य पुरस्कार 2011 वितरित

शाजापुर (म.प्र.)। झीलों की नगरी, म.प्र. की राजधानी भोपाल के रविन्द्र भवन में उद्यान में एक विशाल गरिमामयी समारोह में 18 मार्च, 2012 को म.प्र. शासन द्वारा मध्यप्रदेश रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग सेवा राज्य पुरस्कार आयोजित कर पिछड़े वर्ग के उत्थान एवं विकास के लिए उत्कृष्ठ कार्य करने वाले पिछड़े वर्ग के 16 समाजसेवियों को सम्मानित किया गया जिसमें 08 महिलाएं एवं 08 पुरूष सम्मानित हुए। प्रत्येक सम्मानित व्यक्तियों को रूपए एक लाख नगद एवं प्रशस्ति पत्र शॉल श्रीफल से प्रदेश के लाड़ले मुख्यमंत्री माननीय शिवराजसिंह चौहान द्वारा प्रदान किया गया। इस समारोह में व्यावसायिक एवं तकनीकी प्रवेश परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यार्थियों को एवं राज्य एवं संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर चयन होने पर चयनित पिछड़े वर्ग के अभ्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रामजी महाजन के जीवन पर प्रकाश डाला गया मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्यप्रदेश में मेरी सरकार ने ही रामजी महाजन की योजनाओं में से अधिकांश योजनाएं क्रियान्वित कर पिछड़े वर्ग के विकास का प्रयास किया है। मध्यप्रदेश की पिछड़ी जातियों के प्रयास व कार्यो के कारण ही मध्यप्रदेश की उन्नति हो रही हे। मेरी सरकार पिछड़ा वर्ग को पिछड़ी नहीं रहने देगी। उनका विकास केर मैं भारत में मध्यप्रदेश को नंबर - 1 प्रदेश बनांएगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभात जी झा, भाजपा प्रदेश मंत्रीमण्डल के अध्यक्ष द्वारा की गई।

# 61 जोड़े परिणय सूत्र में बधें

**जयपुर।** सांगानेर सैनी समाज सुधार संस्था श्री ज्ञानेश्वर महादेव मन्दिर, सवाई माधोपुर रेलवे पुलिया के पास डिग्गी रोड सांगानेर (जयपुर) के तत्वावधान में दिनांक 01.04.2012 (रामनवमी) का चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें 21 जोडों का विवाह परिणय सूत्र में बंधें।

चतुर्थ सामूहिक विवाह के संयोजक श्री बुद्धसिंह सैनी ने बताया कि इस आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की अध्यक्षता श्री मंगलराम सैनी द्वारा की गई। मुख्य अतिथि श्री ओंकारमल सैनी (आरएएस), उपायुक्त महोदय (जेडीए) ने अपने उद्बोधन में चतुर्थ समूहिक विवाह सममेलन समारोह की प्रशसां की इस विवाह स्थल को छोटा बताते हुए यह घोषणा की भविष्य में सामूहिक विाह सम्मेलन हेतु भूखण्ड आवंटन करवाने की व्यवस्था करवाने की घोषणा। समाज बंधुओं ने उक्त घोषणा का स्वागत किया। निम्नलिखित पदाधिकारी श्री बिरदीचन्द सिंगोदिया, प्रमुख समाज सेवी आमेर जयपुर, डा. आर.पी. सेनी धनंवतरी हॉस्पीटल मानसरोवर जयपुर, हीरालाल सैनी उपाध्यक्ष पाल चौरासी अलवर, रमेश सैनी फरमैवाले, अध्यक्ष जयपुर माली सैनी सैनी समाज विकास आदर्श संस्था, सुरेश सैनी अध्यक्ष सैनी समाज सेवा संस्था टोक फाटक जयपुर, नौरतजी सैनी, अध्यक्ष माली सैनी समाज सरवाड जिला अजमेर, रामकरण सैनी अध्यक्ष माली समाज टोक रोड सांगानेर, हनुमान सहाय सैनी भूतपूर्व ब्लॉक अध्यक्ष ,माली सैनी समाज सांगानेर, रामलाल सैनी अधिशाषी अभियंता पीएचईडी अलवर, सेनी समाज नगर जिला भरतपुर एवं भगवान सहाय सैनी, एसडीओ, बीएसएनएल जयपुर उपस्थित हुए। इनकी आशीकृपा से 21 जोडो का विवाह सम्पन्न हुआ। प्रत्येक जोडों को उपहार स्वरूप लगभग्र 45000/- रूपये का सामान भेंट किया गया। जिसमें पलंग, सेन्टर टेबल, चौकी, स्टूल, कुर्सिया (प्लास्टिक), छत पंखा, टेलीविजन (कलर) अलमारी, सिलाई मशीन, फोमवाला गद्दा व तकिया बैडशीट, स्टील के बर्तन 24 नग, सोने का टीका, सोने की लोंग, चांदी की पायजेब, चांदी की चुटकी, चांदी की अंगुठी इत्यादि सामान चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन में दिया गया तथा समाज द्वारा सूटकेस, पानी की कैन, टिफिन तीन खनवाला, स्टील का गमला, प्रेस, गर्म खाने का टिफीन, दीवार घड़ी, स्टील के पांच बर्तन, लेडिज बैग, मग सेट, टिफिन एवं चांदी की माला आदि सामान दिया गया है।

पांचवा सामूहिक विवाह सम्मेलन अगले वर्ष किया जायेगा।

# माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा
श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री सुरजमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी.भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश

# माली सैनी संदेश

## ही क्यों ?

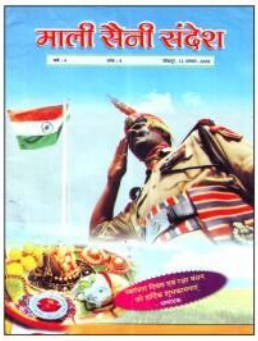


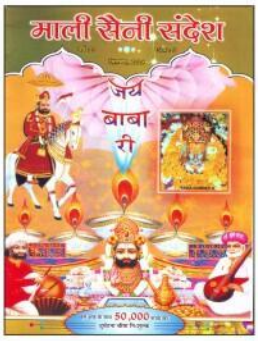


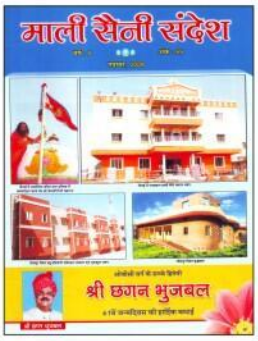


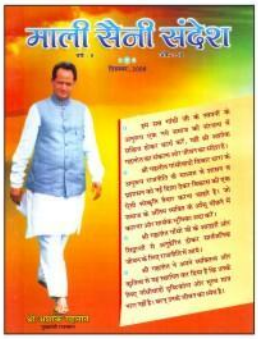


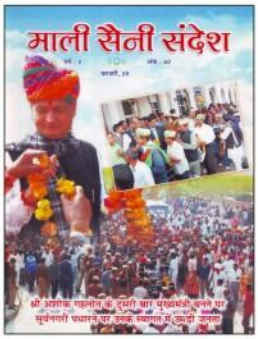


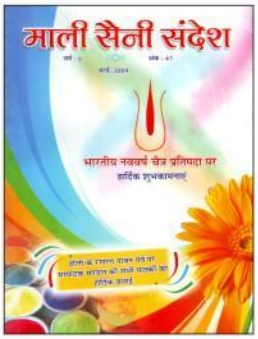


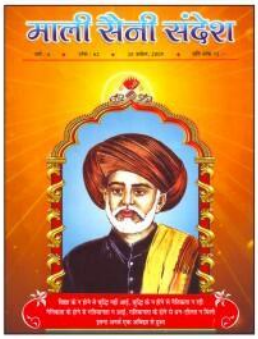

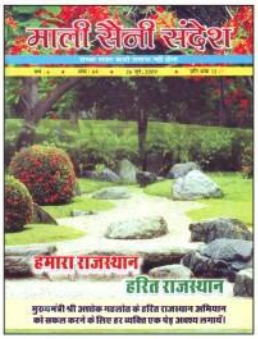


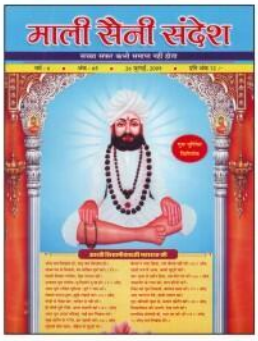


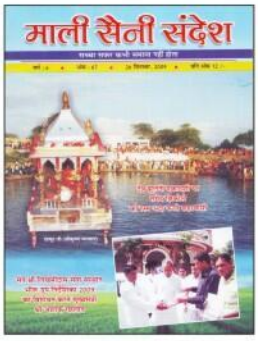

क्योंकि
हमारे पास है सौ एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों
का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक
गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी
जो कि समाज में हो रही है।

## हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे
देश ही नहीं विदेश में भी।

**RATES**

Advertisements

COLOR (Full Page)

| | |
|---|---|
| Back Cover | 5,000/- |
| Inside Cover | 3,000/- |
| Strip(One Year) | 4,000/- |

BLACK

| | |
|---|---|
| Full Page | 1,500/- |
| Half Page | 1,000/- |
| Strip(One Year) | 2,000/- |

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com

**क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .**

कार्यालय : माली सैनी संदेश
होटल सिटी पैलेस के पीछे,
नई सड़क जोधपुर (राज.)

# देश के विभिन्न भागों में महात्मा फूले जयंति की की झलकियां

महाराष्ट्र विधानसभा सभापति श्री शिवाजीराव देशमुख एवं मुख्यमंत्री श्री पृथ्वीराज चौहाण महात्मा फूले को नमन करते हुए

जयपुर में महात्मा फूले की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करते महात्मा फूले राष्ट्रीय संस्थान के पदाधिकारी एवं श्री ओ. पी. सैनी (आई.ए.एस.)

जोधपुर में महात्मा फूले जंयति पर रक्तदान करती युवती एवं उत्साहवर्धन करती सांसद चंद्रेशकुमारी, पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी एवं पार्षद श्रीमती ज्योति सोलंकी

सुमेरपुर में महात्मा फूले जंयति पर उपस्थित पदाधिकारीगण, समाजबंधु एवं छात्र-छात्राएं

महाराष्ट्र के मंत्रीश्री छगन भुजबल द्वारा नमन

जोधपुर जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी द्वारा नमन

सोजत में महात्मा फूले जंयति पर उपस्थित पदाधिकारीगण एवं समाजबंधु

जोधपुर पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत द्वारा नमन

भीलवाड़ा में आयोजित जयंति समारोह

बारां में आयोजित जयंति समारोह

Postal Regd. No. Jodhpur/221/2009-2011 NO. RAJHIN12897/20/1/2004-TC

# धन-धन गहलोत

धन-धन गहलोत सा, धन्य थारा मायड़ बाप ।
सेवा सूं थे बण्या अशोक महान, इतिहास दुहरायो आपूं आप ॥ टेर॥
गोल्यां सूं छलनी, लाठ्यां सूं राजस्थान लहु लुहान हो।
जात पांत, भ्रष्टाचार सूं जद राजस्थान शोकाकुल हो।
अंधेरै बाद उजालो हुयो जद गहलोत जी सता संभाल ली।
रात री नींद, दिन रो चैन बिसरा, जग जग री सुध ली।
धन-धन गहलोत सा, धन्य थारा मायड़-बाप।
सेवा सूं थे बण्या अशोक महान, इतिहास दुहरायो आपूं आप ॥ टेर॥
रोवता रा आंसू पौछायां दिल सूं दिल जुडाय लियो ।
भूखा रा संताप मिटायो, मुफ्त इलाज रो प्रबंध कर दियो।
बुजुर्गा री सेवा रो कानून बणा थै बुढापे री लाठी बणग्या।
चोखा नम्बरां सूं पास पै लेपटाप, युवकां रा प्रेरणा स्त्रोत बणया।
हर राजस्थानी रै सिर पै छत, हो दिन रात एक कर दिनी।
हर घर री बगिया बच्चां सूं महकै, ई री व्यवस्था भी कर दीनी।
गांधीजी रे आदर्श डगर पै, फूले री ज्ञान ज्योति में चालता।
पीर पराई अपणाय कै राजस्थान रा सांचा गांधी कहांवता॥ टेर॥
शहर सूं ढहर तांई इंटरनेट अर सेवा केन्द्रां रो जाल बिछायो।
दिल रा सांचा, जुबां का पक्का, कदई ना कालो दाग लगायो।
पानी बचाओ, बिजली बचाओ, सबको पढाओ अर पेड लगाओं।
मनडै रो थांको सांचो हेलो, जन-मण अं गुंज्यो कान लगाओ॥ टेर॥
आईआईटी, आईआईएम जिसा नेक नेक तोहफा दिलवायो।
युनिवर्सिटी, खोली, अनुदान, बोनस, मुआवजा सूं किसान हरसाया।
दुबई सी खुशहाली ल्यावण, राज्य में रिफाईनरी री आश जगाई।
हो वैगो विकास अबै जण-जण मनडै में आ उम्मीद जगाई ॥ टेर॥
जग जुबां पै जोर है, हो रही है बल्ले बल्ले।
राजस्थानी री बल्ले-बल्ले, गहलोत जी री बल्ले-बल्ले।
जात-पातं पूछे ना कोई, अशोक संग अशोक सब हुया।
छत्तीस कौम री सेवा सूं, गहलोत सांचा सपूत हुया ॥ टेर॥
सादगी, सरलता, संवदेनशीलता अर साफगाई पहचान हुई।
गहलोत तो गहलोत है दूजी ना जग में कोई मिसाल हुई।
थां को भी गहलोत, म्हांका भी गहलोत, सब जग में अजीत हुया।
कैवे दिव्या, पा गहलोत सो सपूत राजस्थन धन्य धन्य हुया ॥ टेर॥
जननी सुरक्षा पा बच्चा संग जच्चा मंद मंद मुस्कुराया।
सस्ता राशन सुलभ हर घर रा चुल्हा खिलखिलाये॥
महिला दिवस अर राखी पैनेग पा मां भैण आशीष देवे।
साइकिल, स्कूटी, अनुवृति, छात्रवृति पा दिव्याचरणां शीष नवावै ॥टेर॥
गहलोत जी रो हाथ है, सदा शहर गांव गरीब रै साथ।
जाणै कांई जादू है परोपकारी थांको, रह्यो न कोई खाली हाथ।
हो रही है बल्ले बल्ले हो जायेगी बल्ले बल्ले।
राजस्थान रा विकास पुरूष, गहलोत जी री बल्ले-बल्ले ॥ टेर॥
म्हारै उपर राम राजी, राज राजी अर म्हे राजी।
कांई बिगाड लेवै ला, बुरी चेतण हाला बै बेराजी।
लोक सेवा गारंटी कानून सूं अब टेमूं टेम काम हुवै।
हर दुखी पीड़ित फरियादी ने राहत बेगी महसूस हुई।
भ्रष्टाचार मिटाणै री थां कणी सूं सार्थक पहल हुई।
विधान परिषद सा गठन री अबै शुभ सरूआत हुई।
देख थांकी भाग दौड़ ओ किस्सो जुबां पे आम हुयो।
पर पीडा निवारण खातर थांको दिण रात एक हुयो॥ टेर॥

**- दिव्या सैनी, सीकर (राज.)**

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक मनीष गहलोत के लिए मुदक मोहम्मद मुस्लिम द्वारा हिन्दुस्तान प्रिण्टिंग हाउस इन साईड ईदगाह कम्पाउण्ड जालोरी गेट, जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय, 31, गणपति मार्केट नई सड़क, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 09414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR



log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org